कोटद्वार, शनिवार
4 अक्टूबर 2025
वर्ष: 47
अंक: 146 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के यात्रियों का वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गिरा, पांच घायल

देहरादून। मसूरी देहरादून मार्ग पर पानी बैंड के समीप एक कार अनियंत्रित होकर सड़क से 15–20 फीट नीचे गिर गई। इस हादसे में 5 लोग घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में उपचार दिलाया गया है। जानकारी के अनुसार 2 अक्टूबर को दिल्ली से मसूरी शादी समारोह में कार से पांच युवक आए थे। देर रात लौटते समय मसूरी देहरादून मार्ग पर पानी बैंड के समीप कार अनियंत्रित हो गई। चालक द्वारा मोड़ को सही तरीके से न काट पाने के कारण वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गिर गया। वहां से गुजर रहे लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।सूचना पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने देखा कि वाहन लगभग 15 से 20 मीटर नीचे चला गया था।कार में कुल पांच युवक सवार थे। पुलिस बल द्वारा रेस्क्यू कर सभी घायलों को सुरक्षित निकालकर 108 एंबुलेंस के माध्यम से उपचार के लिए देहरादून अस्पताल भेजा गया। वाहन में सवार सभी व्यक्तियों को हल्की चोटें आई। घायलों में फरीद अकरम पुत्र ईस अहमद निवासी तुगलकाबाद, रतन पुत्र जनार्दन प्रसाद निवासी टिहरी गढ़वाल, ओमप्रकाश पुत्र जनार्दन प्रसाद निवासी टिहरी गढ़वाल, मुकेश पुत्र जनार्दन प्रसाद निवासी टिहरी गढ़वाल, देशराज पुत्र रामचंद्र निवासी तुगलकाबाद दिल्ली शामिल है। मसूरी पुलिस के अनुसार कार सवार युवक दिल्ली से मसूरी एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे।

राज्य कर कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर काम किया शुरू

देहरादून। उत्तराखंड राज्य कर मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन ने चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर दिया है। शुक्रवार से कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर काम किया। छह अक्तूबर से कर्मचारी दो घंटे का कार्यबहिष्कार शुरू कर देंगे। राज्य कर की देहरादून शाखा की अध्यक्ष महिमा कुकरेती ने बताया कि एसोसिएशन ने 30 सितंबर तक का समय दिया था, लेकिन कर्मचारियों की मांगों पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। ऐसे चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर दिया गया है। एसोसिएशन की ओर से जीएसटी के तहत सूचना संकलन और विश्लेषण हेतु यूटिलिटी तैयार करने, राज्य कर अधिकारियों की समय से पदोन्नति, परित्याग नियमावली को लेकर कोई कार्यवाही नहीं किए जाने पर निराश व्यक्त की गई। शाखा अध्यक्ष महिमा कुकरेती और शाखा मंत्री निशा जुयाल ने बताया कि इस अवधि में लक्ष्मी रोड स्थित राज्य कर भवन सहित फील्ड यूनिटों में कार्यरत सभी मिनिस्ट्रीयल कार्मिक विरोध स्वरूप काली पट्टी बांधकर कार्य किया। छह अक्तूबर से दो घंटे के कार्य बहिष्कार के बाद 17 अक्तूबर को कर्मचारी गेट मीटिंग करेंगे।

15 अक्तूबर तक पूर्वांचल जाने वाली सभी ट्रेनें फुल

रुड़की। इस वर्ष 21 अक्तूबर को दीवाली, 23 अक्तूबर को भैया दूज और 25 से 28 अक्तूबर तक छठ पूजा का त्योहार मनाया जाएगा। देश भर में ये त्योहार धूमधाम से मनाए जाते हैं। त्योहारों के दौरान लक्सर और आसपास काम करने वाले बाहर के लोग हर साल अपने घर लौटते हैं, लेकिन इस बार पूर्वांचल के लोगों को घर आने–जाने के लिए ट्रेन में सीट नहीं मिल रही है। कमलेश प्रसाद, प्रदीप राय और सुखपाल ने बताया कि लखनऊ गोरखपुर, कानपुर और प्रयागराज की ट्रेनों में 15 नवंबर तक स्लीपर क्लास की सारी सीटें पहले ही बुक हो चुकी हैं। अधिकांश ट्रेनों में आरएसी (रिजर्वेशन अगेंस्ट कैंसिलेशन) भी पूरी हो चुकी है और अब केवल वेटिंग चल रही है।

कपकोट क्षेत्र में दो दिन से बीएसएनएल सेवा ठप

बागेश्वर। तहसील क्षेत्र में बीएसएनएल सेवा पटरी पर आने का नाम नहीं ले रही है। यहां महीने में 15 दिन सेवा प्रभावित रहती है। गुरुवार से एक बार फिर सेवा प्रभावित हो गई है। इस कारण भराड़ी से लेकर बोरबलड़ा तक की सेवा प्रभावित हो गई है। ऑनलाइन कारोबार ठप है। लोग अपने प्रवासियों की कुशलक्षेम तक नहीं पूछ पा रहे हैं। भराड़ी के व्यापारियों ने अब आंदोलन की चेतावनी दे डाली है। मालूम हो कि कपकोट क्षेत्र में बीएसएनएल के अलावा अन्य कंपनियों के टावर नहीं है। पूरा क्षेत्र बीएसएनएल पर निर्भर है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की पाक को वार्निंग

दुस्साहस किया तो इतिहास और भूगोल बदल जाएंगे

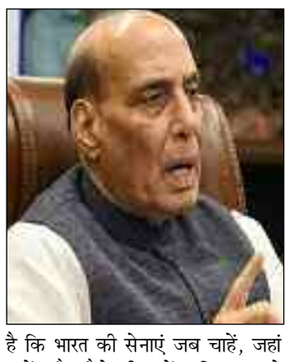

नई दिल्ली ,रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान ने सर क्रीक इलाके में कोई भी हिमाकत की तो उसे ऐसा करारा जवाब मिलेगा कि इतिहास और भूगोल दोनों बदल जाएंगे। उन्होंने कहा कि 1965 की जंग में भारत की सेना ने लाहौर तक पहुंचने का सामर्थ्य दिखाया था। आज 2025 में पाकिस्तान को याद रखना चाहिए कि कराची का एक रास्ता क्रीक से होकर गुजरता है। रक्षा मंत्री ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने लेह से लेकर सर क्रीक के इस इलाके तक भारत के डिफेंस सिस्टम को भेदने की नाकाम कोशिश की, जबकि भारत की सेनाओं ने अपनी जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी एयर डिफेंस सिस्टम को पूरी तरह एक्सपोज कर दिया। विजयदशमी के अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सेना के जवानों के बीच भुज एयरबेस पर मौजूद रहे। यहां उन्होंने शस्त्र पूजा की। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दुनिया को यह संदेश दे दिया गया है कि भारत की सेनाएं जब चाहें, जहां चाहें और जैसे भी चाहें पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचा सकती हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि अपने सामर्थ्य के बावजूद हमने संयम का परिचय दिया, क्योंकि हमारी सैन्य कार्रवाई आतंकवाद के विरोध में थी। इसका विस्तार करके जंग छेड़ना ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य नहीं था। उन्होंने कहा, मुझे इस बात की खुशी है कि भारतीय सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर के सभी सैन्य लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त किया है।

देश को फिर से अपने स्वरूप में खड़ा करने का समय आ गया है: मोहन भागवत

नागपुर , राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत को फिर से आत्मस्वरूप में खड़ा करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक चले विदेशी आक्रमणों के कारण हमारी देशी प्रणालियां नष्ट हो गई थी, जिन्हें अब समय के अनुसार, समाज और शिक्षा प्रणाली के भीतर दोबारा स्थापित करने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि लंबे समय तक चले विदेशी आक्रमणों के कारण हमारी देशी प्रणालियां नष्ट हो गई थी, जिन्हें अब समाज और शिक्षा प्रणाली के भीतर दोबारा स्थापित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत को फिर से आत्मस्वरूप में खड़ा करने का समय आ गया है। डॉ. भागवत ने स्पष्ट कहा, हमें ऐसे व्यक्तियों को तैयार करना होगा जो इस कार्य को कर सकें। इसके लिए सिर्फ मानसिक सहमति नहीं, बल्कि मन, वाणी और कर्म में भी बदलाव लाने की आवश्यकता है। यह बदलाव किसी भी सिस्टम के बिना संभव नहीं है और संघ की शाखा यही एक मजबूत व्यवस्था है जो ये कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि शाखा केवल शारीरिक अभ्यास की जगह नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण और समाज में सकारात्मक आदतों के निर्माण की प्रयोगशाला है। भागवत ने कहा, सौ वर्षों से संघ के स्वयंसेवक इस व्यवस्था को हर परिस्थिति में चलाते आ रहे हैं और आगे भी चलाते रहेंगे। स्वयंसेवकों को चाहिए कि वे नित्य शाखा के कार्यक्रमों को पूरी श्रद्धा से करें और अपने आचरण में परिवर्तन लाने की साधना करें।

वन्य जीव हमले में जनहानि पर मिलेगी 10 लाख की सहायता राशि : धामी

मुख्यमंत्री किया वन्य जीव प्राणी सप्ताह का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को देहरादून जू में वन्य जीव प्राणी सप्ताह का शुभारंभ करते हुए कहा कि प्रदेश में वन्य जीवों के हमले में होने वाली जनहानि पर मिलने वाली सहायता राशि को बढ़ाकर 10 लाख रुपए किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के सामूहिक प्रयासों से बाघ, गुलदार, हाथी, हिम तेंदुवे जैसे दुर्लभ वन्य प्राणियों की संख्या में उत्साहजनक वृद्धि हुई है। परंतु इनके साथ मानव-वन्यजीव संघर्ष की चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। इस संघर्ष को कम करने के लिए सरकार आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक उपायों का उपयोग कर रही है। वन विभाग को ड्रोन और जीपीएस की तकनीकी सुविधा दी जा रही है, ताकि वन्यजीवों की निगरानी और सुरक्षा और बेहतर ढंग से हो सके।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि वन्यजीव हमारी आस्था, संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग हैं, हमारे देवी-देवताओं ने भी इनके साथ सह-अस्तित्व का संदेश दिया है। मां दुर्गा का वाहन शेर, गणेश जी का वाहन मूषक, मां सरस्वती का हंस, भगवान कार्तिकेय का मोर, लक्ष्मी जी का उल्लू और देवाधिदेव महादेव के कंठ पर विराजमान नागराज और साथ बैठे नंदी हमारी सनातन संस्कृति में मानव और जीव-जगत के बीच एकात्म भाव के प्रतीक हैं। यही कारण है कि आदिकाल से वन्यजीवों का संरक्षण भारत की जीवन पद्धति का स्वाभाविक हिस्सा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की लगभग 14.77 प्रतिशत भूमि, 6 राष्ट्रीय उद्यानों, 7 वन्यजीव विहारों और 4 संरक्षण आरक्षित क्षेत्रों के रूप में संरक्षित है, जबकि पूरे देश में ये अनुपात मात्र 5.27 प्रतिशत ही है। ये अंतर हमारे राज्य की पर्यावरणीय प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की हरियाली और इसमें स्वच्छंद विचरण करते वन्य जीव वर्ष भर देश-विदेश से आने वाले लाखों पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। पर्यटकों की सुविधाओं का ध्यान रखने के साथ-साथ राज्य सरकार वनों के प्राकृतिक स्वरूप को अक्षुण्ण बनाए रखने और वन्य जीवों को सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

इस मौके पर वन मंत्री सुबोध उनियाल, राज्य सभा सांसद नरेश बंसल, प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, प्रमुख मुख्य वन संरक्षक समीर सिन्हा, प्रमुख वन संरक्षक वन्यजीव रंजन कुमार मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित हुए।

इसी महीने शुरू होगी भारत–चीन के बीच डायरेक्ट फ्लाइट सेवा, पांच साल बाद हो रही बहाल

नई दिल्ली/बीजिंग ,भारत और चीन के बीच डायरेक्ट फ्लाइट सेवाएं पांच साल बाद अक्टूबर के अंत तक फिर से शुरू हो सकती हैं। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। भारत और चीन के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण इस साल की शुरुआत से दोनों देशों के बीच सीधी हवाई सेवाओं को फिर से शुरू करने और एक संशोधित हवाई सेवा समझौते पर चर्चा कर रहे हैं। यह भारत सरकार की दोनों देशों के बीच संबंधों को धीरे–धीरे सामान्य करने की नीति का हिस्सा है। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, इन चर्चाओं के बाद अब यह सहमति बनी है कि भारत और चीन के बीच नामित स्थानों को जोड़ने वाली डायरेक्ट फ्लाइट सेवाएं अक्टूबर 2025 के अंत तक शुरू हो सकती हैं। यह शीतकालीन मौसम की समय–सारिणी के अनुसार होगा, बशर्ते दोनों देशों की नामित एयरलाइंस का व्यावसायिक निर्णय और सभी परिचालन मानदंड पूरे हों।

बयान में आगे कहा गया, नागरिक विमानन प्राधिकरणों के इस समझौते से भारत और चीन के बीच लोगों के बीच संपर्क को और बढ़ावा मिलेगा, जिससे द्विपक्षीय आदान–प्रदान को धीरे–धीरे सामान्य बनाने में मदद मिलेगी। सीधी उड़ानें डोकलाम विवाद के बाद बंद कर दी गई थीं और कोविड–19 महामारी के कारण इसे और आगे टाला गया। पिछले महीने, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान तियानजिन में अपनी बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने वार्ता, विश्वास–निर्माण उपायों और क्षेत्रीय जुड़ाव को प्राथमिकता देने के दोनों देशों के व्यावहारिक दृष्टिकोण पर विचार किया था। बैठक का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना तथा भारत–चीन संबंधों में हाल की प्रगति को आगे बढ़ाना था। दोनों देशों ने 3,500 किमी लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त के नियमों पर सहमति बनाई, जिससे चार साल पुराना सीमा विवाद कम हुआ। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने पिछले साल हुए समझौते और सीमा पर शांति बनाए रखने की सराहना की। उन्होंने आपसी सहमति से सीमा मुद्दे का उचित समाधान निकालने और दोनों देशों के लोगों के दीर्घकालिक हितों को ध्यान में रखने की प्रतिबद्धता जताई। दोनों नेताओं ने इस महीने की शुरुआत में विशेष प्रतिनिधियों की बातचीत में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों का समर्थन करने पर भी सहमति जताई। सितंबर में चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने भारत का दौरा किया और सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधि वार्ता की।

शादी के झांसे में फंसा कर्मचारी, लुटेरी दुल्हन गैंग ने लूटा

हरिद्वार। ज्वालापुर निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि पत्नी बनने का दावा करने वाली महिला और उसके सहयोगी चार दिन तक साथ रहने के बाद सोने–चांदी के जेवर और एक लाख रुपये लेकर फरार हो गए। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक सुभाष नगर निवासी विनोद ठाकुर ने तहरीर देकर बताया कि वह बीएचईएल रानीपुर में ठेकेदार के अधीन कार्यरत हैं। आरोप गाया कि संगीता और सुमन ने उसे पिंकी उर्फ पूनम और ज्योति उर्फ सोनी से मिलवाया। ज्योति ने पिंकी को अपनी बहन बताया और कहा कि शादी करना चाहते हो, तो वह करवा देगी। विनोद ने बताया कि इसी साल सात मई को पिंकी से शादी कर ली। इसके लिए सुमन और ज्योति ने उससे सोने की नोज पिन, कानों की झुमकी, मंगलसूत्र, चांदी की पायल और बिछुआ के अलावा एक लाख रुपये नगद ले लिए।

आईएएफ प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली , भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने शुक्रवार को दोहराया कि मई में चले ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय बलों ने पाकिस्तान के पांच युद्ध विमान (सु–16/छुस–17 सहित) और एक बड़े एईडब्ल्यू–एंड–सी प्लेटफॉर्म को निशाना बनाकर ढेर कर दिया था। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान की ओर से उठाए जा रहे दावों को खारिज करते हुए उनका मज़ाक बनाते हुए कहा कि यह सब मनोहर कहानियाँ हैं और यदि वे कहते हैं कि उन्होंने 15 या 7 विमान मार गिराए तो वह उनकी बात रहने देनी चाहिए – वास्तविकता अलग है। वायुसेना प्रमुख ने चुटकी लेते हुए कहा, अगर उन्हें लगता है कि उन्होंने हमारे 15 विमान मार गिराए हैं, तो मुझे उम्मीद है कि उन्हें इस बात का यकीन हो गया होगा और जब वे दोबारा लड़ने आएंगे, तो वे मेरे भंडार में 15 कम विमान रख देंगे। यह पहली बार नहीं है जब वायु सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पांच पाकिस्तानी विमानों को मार गिराने का दावा किया हो। अगस्त में भी, एयर चीफ मार्शल ने कहा था कि इन विमानों को स–400 वायु रक्षा प्रणालियों ने मार गिराया था।

क्या कहा था पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने?

कई दिनों पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ ने अपने भाषण में यह दावा किया था कि पाकिस्तानी वायुसेना ने मई की मुठभेड़ों में सात भारतीय विमान नष्ट कर दिए। इस दावे के बाद दोनों पक्षों में बयानबाज़ी तेज हो गई। एयर चीफ मार्शल ने अपने हाल के बयानों में यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में स–400 जैसी वायु रक्षा प्रणालियों और समन्वित हवाई व जमीनी कार्यवाही के चलते पाकिस्तानी वायु क्षमता को क्षति पहुँची। पिछले महीनों में भी वायुसेना ने इसी प्रकार के परिणामों का संकेत दिया था।

सरकार–सेना का रुख और रणनीतिक संकेत

वायुसेना प्रमुख ने यह भी कहा कि यह हमारा सबसे बड़ा अभियान था और तीनों सेनाओं ने समन्वित रूप से मिशन को अंजाम दिया; आवश्यकतानुसार आधुनिक लड़ाकू विमानों और प्रणालियों का प्रयोग जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि आवश्यक संसाधन (राफेल या स–57 जैसे विकल्प) सरकार तय करेगी और हमारी प्राथमिकता सटीकता और कार्यक्षमता है।

विकास कार्यों में वन भूमि की बाधाओं को दूर करें: महाराज

समन्वय समिति की बैठक में विभागीय अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

देहरादून। प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज की अध्यक्षता में वन भूमि के कारण विकास कार्यों में आ रही रुकावट को लेकर लोक निर्माण, सिंचाई, पर्यटन, पीएमजीएसवाई एवं वन विभाग की समन्वय समिति की बैठक में विभागीय अधिकारियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रदेश के विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए सभी बाधाओं को दूर करने के साथ–साथ वन विभाग के अधिकारियों को वन संरक्षण अधिनियम के कारण होने वाली रुकावटों को भी दूर करने के निर्देश दिए गये।

प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज की अध्यक्षता में शुक्रवार को आईएचएम गढ़ी कैंट में वन भूमि के कारण विकास कार्यों में आ रही रुकावट को लेकर लोक निर्माण, सिंचाई, पर्यटन, पीएमजीएसवाई एवं वन विभाग की ष्समन्वय समितिष् की बैठक में विभागीय अधिकारियों को प्रदेश के विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाने और उसमें वन संरक्षण अधिनियम के कारण होने वाली रुकावटों को भी दूर करने के निर्देश दिए गये। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से कहा कि वह सड़कों का समरेखण करते इस बात का ध्यान रखें की जिन स्थानों पर भूस्खलन की संभावना सबसे कम हो उन्हें स्थान का सड़कों के एलाइनमेंट के लिए चयन करें। उन्होंने वन भूमि के कारण रुके जनपद पौड़ी के कुण्जखाल–कोलाखाल से गौखण्ड–रिकडेरा–पाटल्यूं मोटर मार्ग सहित सभी छह मोटर मागी की वन विभाग के अधिकारियों से स्वीकृत देने को कहा। लोनिवि मंत्री महाराज ने बैठक के दौरान वन विभाग के अधिकारियों से कहा कि देहरादून (पुरुकुल गांव) से मसूरी लाइब्रेरी चौक तक रोपवे परियोजना के लोअर टर्मिनल पॉइंट के ऊपर स्थित आवासीय इकाइयों हेतु वैकल्पिक मार्ग के निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा भूमि हस्तांतरण का जो प्रस्ताव भेजा गया है उसकी तत्काल स्वीकृति दी जाए। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों से कहा कि पर्यटन विभाग द्वारा जागेश्वर धाम का डेस्टिनेशन प्लान तैयार कर विकसित किया जाना प्रस्तावित है इसलिए जागेश्वर धाम डेस्टिनेशन प्लान के अंतर्गत प्रस्तावित आरतोला में अपर लेवल एवं लोअर लेवल पार्किंग के निर्माण, आरतोला में बसेरा, शॉप, चार्जिंग स्टेशन और पार्किंग गेट के निर्माण किया जाना है।

कंगना रनौत ने राहुल गांधी को बताया 'कलंक, बोली– जहां जाते हैं, भारत को बदनाम करते हैं

नई दिल्ली , भारतीय जनता पार्टी की सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने एक बार फिर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। कंगना ने राहुल गांधी को 'देश पर एक कलंकश् बताते हुए आरोप लगाया है कि वह हर मंच पर जाकर भारत को बदनाम करते हैं। राजधानी दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए कंगना रनौत ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, वह (राहुल गांधी) एक कलंक हैं। सब जानते हैं कि वह हर जगह देश को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। अगर वह देश की आलोचना कर रहे हैं, कह रहे हैं कि यहां के लोग झगड़ालू हैं, ईमानदार नहीं हैं, तो इन सब बातों से वह यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत के लोग नासमझ हैं। इसीलिए मैं उन्हें कलंक कहती हूं। वह हमेशा देश को शर्मसार करते हैं और देश को भी उन पर शर्म आती है। दरअसल, कंगना रनौत आज (2 अक्टूबर) गांधी जयंती के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर दिल्ली में खादी खरीदने पहुंची थी। इस दौरान उन्होंने कहा, आप देख सकते हैं कि मैंने खादी की साड़ी और खादी का ब्लाउज पहना है। हमारे स्वदेशी कपड़ों की आज पूरी दुनिया में भारी मांग है। जैसा कि प्रधानमंत्री कहते हैं, आत्मनिर्भर होने का समय आ गया है।

भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा लोकतंत्र पर हमला है: राहुल गांधी

नई दिल्ली , लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर विदेश में जाकर भारत के लोकतंत्र पर टिप्पणी की है। उन्होंने कोलंबिया के ईआईए विश्वविद्यालय में एक संवाद कार्यक्रम में कहा कि भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा 'लोकतंत्र पर हमलाझ है। राहुल गांधी ने कहा कि भारत में कई धर्म, परंपराएं और भाषाएं हैं। लोकतांत्रिक प्रणाली इन सभी को स्थान देती है, लेकिन अभी भारत में लोकतंत्र पर हर तरफ से हमला हो रहा है। भारत की वैश्विक भूमिका पर पूछे गए सवाल के जवाब में राहुल गांधी ने कहा, भारत की 1.4 अरब की आबादी में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन भारत का ढांचा चीन से बिल्कुल अलग है। चीन एक केंद्रीकृत और एकरूप प्रणाली वाला देश है, जबकि भारत में अनेक भाषाएं, संस्कृतियां, परंपराएं और धर्म हैं। भारत की व्यवस्था कहीं अधिक जटिल है।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया को बहुत कुछ दे सकता है और वह बहुत आशावादी हैं। इसके साथ ही, राहुल गांधी ने कहा, भारतीय संरचना में भी कई कमियां हैं, कुछ जोखिम हैं, जिनसे भारत को पार पाना होगा। सबसे बड़ा जोखिम लोकतंत्र पर हो रहा हमला है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि भारत अपने सभी लोगों के बीच संवाद का केंद्र है। विभिन्न परंपराओं, धर्मों और विचारों को जगह की जरूरत होती है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता, प्रतिबंधित संगठनों के चार उग्रवादी गिरफ्तार

नई दिल्ली , मणिपुर में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। यहां प्रतिबंधित कुकी संगठन चिन कुकी मिजो आर्मी (सीकेएमए) के स्वयंभू प्रमुख समेत चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। जानकारी के अनुसार, सुरक्षा बलों ने बुधवार को मणिपुर के चुड़चांपुर जिले के एस मुनुआम इलाके से चिन कुकी मिजो आर्मी के स्वयंभू कमांडर इन चीफ पाओखोलेन गुइटे को हिरासत में लिया। गुइटे पर भारत–म्यांमार सीमा पार से हथियार और नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल होने का आरोप है। गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से दो एके–47 राइफलें, 181 राउंड विभिन्न प्रकार के कारतूस, एक लाख रुपये नकद और एक कार बरामद की गई। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक गुइटे सीमावर्ती इलाकों में अवैध गतिविधियों में सक्रिय था। इसके अलावा, गुरुवार को इंफाल पश्चिम जिले में दो अलग–अलग स्थानों से प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के दो कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। ये दोनों उग्रवादी घाटी क्षेत्रों में ईंट भ्ाा मालिकों और आम नागरिकों से जबरन वसूली में लिप्त थे। इसी क्रम में, थौबल जिले के याइरीपोक इलाके से पीएलए के एक अन्य सदस्य को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, वह खदान मजदूरों से अवैध वसूली और धमकी देने जैसी गतिविधियों में शामिल था। गौरतलब है कि सितंबर माह में पीएलए के उग्रवादियों ने मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के नांबोल सबल लेइकाई इलाके में असम राइफल्स के एक काफिले पर घात लगाकर हमला किया था, जिसमें दो जवान शहीद हो गए थे। सुरक्षा बलों की इन कार्रवाइयों को मणिपुर में शांति बहाल करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

वंदे भारत एक्सप्रेस की चपेट में आए 5 किशोर, 3 की दर्दनाक मौत और 2 गंभीर

पूर्णिया ,कटिहार–जोगबनी रेलखंड पर शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। जवनपुर गुमटी के पास करीब सुबह 5 बजे वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से तीन किशोरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी किशोर दशहरा मेला देखकर लौट रहे थे। हादसे के बाद घायलों को इलाज के लिए पूर्णिया मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। घटना कसबा थाना क्षेत्र के यदनपुर रेलवे फाटक के समीप हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जोगबनी से पटना जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के गुजरने के दौरान ये किशोर रेलवे ट्रैक पर थे, उसी दौरान वे ट्रेन की चपेट में आ गए। मृतकों और घायलों की पहचान पूर्णिया जिले के बनमनखी प्रखंड स्थित चांदपुर भंगहा गांव के रहने वाले युवकों के रूप में हुई है, जो पूर्णिया में एक मखाना फैक्ट्री में काम करते थे। घटनास्थल से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है।

कफ सिरप पीने से 11 बच्चों की मौत, मध्य प्रदेश में 9 की गई जान

राजस्थान में 2 मासूमों ने तोड़ा दम

भोपाल ,राजस्थान और मध्य प्रदेश में नकली कफ सिरप मौत का ज़हर साबित हो रहा है। दोनों राज्यों में अब तक 11 बच्चों की जान जा चुकी है। अकेले मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में 9 मासूमों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि राजस्थान के भरतपुर और सीकर में 2 बच्चों की जान गई है। भरतपुर का दर्दनाक मामला भरतपुर में 2 साल का मासूम जुखाम की शिकायत पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया था। डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवा और कफ सिरप देने के बाद बच्चा सो गया और घंटों तक होश में नहीं आया। हालत बिगड़ने पर उसे जयपुर रेफर किया गया, लेकिन 4 दिन तक इलाज चलने के बाद उसकी मौत हो गई। परिजनों ने सिरप को जिम्मेदार ठहराते हुए जांच की मांग की है। वहीं, सीकर में भी खांसी की दवा पिलाने के बाद एक 5 साल के बच्चे की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर मुफ्त बांटे जा रहे सिरप की गुणवत्ता पर पहले से सवाल थे, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई।

छिंदवाड़ा में 9 बच्चों की मौत

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के परासिया क्षेत्र में वायरल फीवर के बाद बच्चों को कफ सिरप दी गई, जिसके बाद किडनी फेल और इंफेक्शन के चलते 9 बच्चों ने दम तोड़ दिया। एसडीएम शुभम यादव ने पुष्टि की कि अब तक कुल 9 बच्चों की मौत हो चुकी है।

फार्मा कंपनी पर शिकंजा

जबलपुर में कटारिया फार्मासिटिकल्स पर छापा मारा गया है। आरोप है कि इस कंपनी ने चेन्नई की एक दवा कंपनी से 660 शीशियां मंगाई थीं और इनमें से सैकड़ों सिरप छिंदवाड़ा में सप्लाई किए गए।

सम्पादकीय

नष्ट होते पहाड़, बेबस सरकार

पिछले तीन महीना में मानसून की बारिश के दौरान जो कुछ भी सामने आया उसने इस बात के संकेत तो दिए ही दिए हैं कि प्रकृति के मार्ग में बाधा बनने की कोशिश कभी ना कभी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बड़ी मुसीबत बन सकती है। उत्तराखंड राज्य गठन के बाद से ही इस प्रदेश को एक आदर्श राज्य के तौर पर बनाने की कल्पना की गई थी लेकिन पिछले 25 वर्षों में आदर्श राज्य बनना तो दूर, इस राज्य ने भ्रष्टाचार और प्राकृतिक दोहन के तमाम रिकॉर्ड तोड़ दिए। आज स्थिति यह है की नदियों और नालों के प्राकृतिक वेग़ को रोक कर उन पर अवैध कब्जे कर लिए गए जिन पर सरकार एवं निर्माण प्राधिकरण एजेंसियों ने आंखें मूंद ली। इस मानसून में चमोली एवं रुद्रप्रयाग समेत उत्तराखंड के अन्य जिलों में प्रकृति ने अपना जो प्रकोप दिखया उसने यह साबित कर दिया है कि आप चाहे प्रकृति के मूल स्वभाव में जितनी भी अवरोध पैदा कर लो एक दिन वह जरूर आएगा जब प्रकृति अपने मूल स्वरूप को वापस लाने के लिए प्रचंड रूप दिखाएगी। विडंबना ही है कि राज् गठन के बाद पहाड़ों से लेकर मैदानों तक अवैध कब्जे और नियम विरुद्ध अतिक्रमण व निर्माण में तमाम नियम कानून को ताक पर रखकर कब्जे किए गए, जिसमें सरकार कुंभकरण की नींद सोई रही। प्रकृति यदि आज अपने मूल स्वरूप में आकर अपनी कोप दृष्टि दिखा रही है तो इसमें हैरानी नहीं होनी चाहिए। निजी स्वार्थ के लिए अवैध कब्जे करना और नियम विरुद्ध होने के बावजूद भी आंखें बंद रखना सरकार की लापरवाही दर्शाती है। इस बार के मानसून ने यह स्पष्ट कर दिया है की प्रकृति अपने मूल स्वभाव से भटक नहीं सकती, आज नहीं तो कल वह अपने स्वरूप को हासिल करके ही रहेगी। अब सवाल यह उठता है की भीषण आपदा विपदा के बाद छाती पीट पीटने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। मुद्दा यह है कि आखिर तमाम नियम कानून एवं प्राधिकरण की मौजूदगी के बावजूद भी आखिर नियम विरुद्ध जाकर कैसे अवैध निर्माण कर लिए गए? निश्चित तौर पर बिना निजी स्वार्थ एवं प्राधिकरण एजेंसियों की मिली भगत के बिना यह सब कभी संभव ही नहीं है। आज उत्तराखंड के पहाड़ अपना स्वरूप खो रहे हैं और यहां रिसॉर्ट और गेस्ट हाउस संस्कृति ने पूरे पहाड़ को धरातल पर लाकर खड़ा कर दिया है। आखिर यह कैसी सरकारें हैं जो सब कुछ देखकर भी मौन धारण किए हुए हैं, आखिर क्यों देवभूमि उत्तराखंड में हिमाचल प्रदेश जैसी नियमावली वाली लागू नहीं होती! आने वाले दिनों में उत्तराखंड की क्या स्थिति होगी यह तो कहा नहीं जा सकता लेकिन वर्तमान साफ दर्शाता है कि जिस प्रकार से उत्तराखंड के पहाड़ी गांव खंडहर बन चुके हैं उसके बाद अधिक कहने व सुनने के लिए कुछ नहीं रह जाता। आखिर सरकार ऐसी कोई नीति क्यों नहीं लाती जो नदियों के किनारो से एक सीमित दायरे में निर्माण को लेकर नियम कानून के तहत काम करती हो? सरकार भले ही कुंभकरण की नींद सोती हो लेकिन प्रकृति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह सब एक ना दिन उसके अनुसार चलेगा और जो भी उसके रास्ते में बाधा बनने का प्रयास करेगा उसे प्रकृति अपने वेग और मनोयोग से नष्ट कर देगी? निजी स्वार्थ के लिए प्रकृति और पहाड़ का दोहन अब समाप्त होना चाहिए, उम्मीद तो यह की गई थी कि राज्य गठन के बाद पहाड़ों का विकास होगा लेकिन आज जिस स्थिति में पहाड़ है वह खुद अपने विनाश की कहानी बयां कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक पेशेवर कर्मयोगी

हरदीप एस पुरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की करिश्माई उपस्थिति और संगठनात्मक नेतृत्व की भरपूर प्रशंसा की गई है। उनके काम की विशेषता उनकी कठोर व्यावसायिकता है, जिसे कम ही लोग जानते और समझते हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री और भारत के प्रधानमंत्री के रूप में पिछले ढाई दशकों में उनकी एक अथक पेशेवर कार्यशैली विकसित हुई है।

जो चीज़ उन्हें अलग बनाती है, वह है दिखावे की प्रतिभा नहीं, बल्कि एक ऐसा अनुशासन जो दृष्टि को टिकाऊ व्यवस्थाओं में बदल देता है। भारतीय मुहावरे में, वे एक कर्मयोगी हैंः कर्तव्य पर आधारित कर्म, जो ज़मीनी स्तर पर बदलाव से मापा जाता है।

इस साल लाल किले से उनके स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में यही नीति थी। इस भाषण में उपलब्धियों का लेखा–जोखा कम और साझा कार्य का एक चार्टर ज़्यादा पेश किया गयाः नागरिकों, वैज्ञानिकों, स्टार्टअप्स और राज्यों को विकसित भारत के सह–लेखक के रूप में आमंत्रित किया गया। गहन तकनीक, स्वच्छ विकास और लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं की महत्वाकांक्षाओं को व्यावहारिक कार्यक्रमों के रूप में प्रस्तुत किया गया, न कि केवल दिखावटीपन के रूप में, और जनभागीदारी, एक मंच निर्माण करने वाले राज्य और उद्यमी लोगों के बीच साझेदारी, को एक पद्धति के रूप में प्रस्तुत किया गया।

जीएसटी ढांचे का हालिया सरलीकरण इसी पद्धति को दर्शाता है। स्लैब को कम करके और टकराव के बिंदुओं को दूर करके, परिषद ने छोटी फर्मों के लिए अनुपालन लागत कम की है और परिवारों तक लाभ पहुँचाने में तेज़ी लाई है। प्रधानमंत्री का ध्यान अमूर्त राजस्व वक्रों पर नहीं, बल्कि इस बात पर था कि क्या आम नागरिक या छोटा व्यापारी इस बदलाव को जल्दी महसूस कर पाएगा। यह प्रवृत्ति उस सहकारी संघवाद की प्रतिध्वनि है जिसने जीएसटी परिषद का मार्गदर्शन किया हैः राज्य और केंद्र गहन विचार–विमर्श करते हैं, लेकिन सभी एक ऐसी प्रणाली के भीतर काम करते हैं जो स्थिर रहने के बजाय परिस्थितियों के अनुकूल हो जाती है। नीति को एक जीवंत साधन के रूप में माना जाता है, जो अर्थव्यवस्था की लय के अनुरूप है, न कि कागज़ पर समरूपता के लिए संरक्षित एक स्मारक के रूप में।

यह वह व्यावसायिकता ही है जिसके कारण वह अमेरिका से देर रात 15 घंटे की विदेश यात्रा के बाद निर्माणाधीन नई संसद भवन के गेट पर बिना किसी सूचना के पहुंचे।

मैंने हाल ही में प्रधानमंत्री से पंद्रह मिनट का समय माँगा था और मैं उनकी चर्चा में आई व्यापक गहराई और बहुआयामी दायरे से प्रभावित हुआ–सूक्ष्म विवरण और व्यापक संबंध एक ही फ्रेम में समाहित। यह बैठक पैंतालीस मिनट की हो गई। बाद में सहकर्मियों ने मुझे बताया कि उन्होंने तैयारी में दो घंटे से ज़्यादा समय बिताया, नोट्स, आँकड़े और प्रतिवाद पढ़े। होमवर्क का यह स्तर कोई अपवाद नहीं है; यह वह कार्य–मानदंड है जो उन्होंने अपने लिए निर्धारित किया है और व्यवस्था से

अपेक्षाएँ रखते हैं। निरंतर तैयारी की यही आदत सुनिश्चित करती है कि निर्णय ठोस और भविष्य के लिए उपयुक्त हों।

भारत की हालिया प्रगति का अधिकांश हिस्सा उन पाइपलाइनों और प्रणालियों पर आधारित है जिन्हें हमारे नागरिकों की गरिमा सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। डिजिटल पहचान, सार्वभौमिक बैंक खाते और रीयल–टाइम भुगतान की तिकड़ी ने समावेशन को बुनियादी ढाँचे में बदल दिया है। लाभ सीधे सत्यापित नागरिकों तक पहुँचते हैं; लीकेज डिज़ाइन के अनुसार कम हो जाते हैं; छोटे व्यवसायों को अनुमानित नकदी प्रवाह मिलता है; और नीतियाँ किस्से–कहानियों के बजाय आँकड़ों पर आधारित होती हैं। अंत्योदय – अंतिम नागरिक का उत्थान – इस प्रकार एक नारा नहीं, बल्कि एक मानक बन जाता है – और प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुँचने वाली प्रत्येक योजना, कार्यक्रम और फ़ाइल का असली लिटमस टेस्ट बना रहता है।

मुझे असम के नुमालीगढ़ में भारत के पहले बांस आधारित 2जी इथेनॉल संयंत्र के शुभारंभ के दौरान एक बार फिर इसका गवाह बनने का सौभाग्य मिला। इंजीनियरों, किसानों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ खड़े होकर, प्रधानमंत्री के प्रश्न सीधे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गएः किसानों को भुगतान उसी दिन कैसे प्राप्त होगा; क्या आनुवंशिक इंजीनियरिंग से ऐसा बांस तैयार किया जा सकता है जो तेज़ी से बढ़ता है और गांठों के बीच बांस के तने की लंबाई बढ़ाता है; क्या महत्वपूर्ण एंजाइमों का स्वदेशीकरण किया जा सकता है; क्या बांस के हर घटक–तना, पत्ती, अवशेष–का इथेनॉल से लेकर फुरफुरल और ग्रीन एसिटिक एसिड तक, आर्थिक उपयोग किया जा रहा है? चर्चा केवल तकनीक तक ही सीमित नहीं थी। यह रसद, आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन और वैश्विक कार्बन फुटप्रिंट तक विस्तृत हुई। अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं में भाग लेने वाले व्यक्ति के रूप में, मैंने तुरंत इस पद्धति को पहचान लियाः संक्षिप्त विवरण की स्पष्टता, विवरण में सटीकता और इस बात पर ज़ोर कि श्रृंखला में अंतिम व्यक्ति को पहला लाभार्थी होना चाहिए।

यही स्पष्टता भारत की आर्थिक नीति को भी जीवंत करती है। ऊर्जा के क्षेत्र में, विविध आपूर्तिकर्ता समूह और शांत, दृढ़ खरीदारी ने उतार–चढ़ाव भरे समय में हमारे हितों को सुरक्षित रखा है। विदेश में एक से ज़्यादा मौकों पर, मैंने एक बेहद सरल निर्देश दिया थाः आपूर्ति सुनिश्चित करना, सामर्थ्य बनाए रखना और भारतीय उपभोक्ताओं को केंद्र में रखना। उस स्पष्टता का सम्मान किया गया और परिणामस्वरूप बातचीत और भी सुचारू रूप से आगे बढ़ी।

राष्ट्रीय सुरक्षा को भी बिना किसी नाटक के आगे बढ़ाया गया है। दृढ़ संकल्प और संयम के साथ किए गए अभियानों–लक्ष्य स्पष्ट, सैन्य बलों को संचालन की स्वतंत्रता, निर्दोषों की सुरक्षा–में शोरगुल के बजाय आश्वासन पर ज़ोर दिया गया है। नीति एक ही हैः कड़ी मेहनत करो, नतीजों को बोलने दो।

इन विकल्पों के पीछे एक विशिष्ट कार्यशैली छिपी है। चर्चाएँ सभ्य लेकिन निर्भीक होती हैं; परस्पर विरोधी विचारों का स्वागत है, लेकिन भटकाव का नहीं। सभी की बात सुनने के बाद, वह एक मोटे दस्तावेज़ को ज़रूरी विकल्पों तक सीमित कर देते हैं, ज़िम्मेदारी सौंपते हैं और सफलता तय करने वाले पैमाने बताते हैं। सबसे ज़ोरदार तर्क नहीं, बल्कि सबसे अच्छा तर्क ही जीतता है; तैयारी को पुरस्कृत किया जाता है; और अनुवर्ती कार्रवाई निरंतर जारी रहती है। सहकर्मियों के लिए, यह तैयारी की शिक्षा है; व्यवस्था के लिए, यह एक ऐसी संस्कृति है जहाँ परिणाम को मापा जाता है, न कि अनुमान लगाया जाता है।

यह कोई संयोग नहीं है कि प्रधानमंत्री का जन्मदिन विश्वकर्मा जयंती पर पड़ता है, जो दिव्य शिल्पी का दिन है। यह समानता शाब्दिक नहीं, बल्कि शिक्षाप्रद हैः सार्वजनिक जीवन में, सबसे स्थायी स्मारक संस्थाएँ, मंच और मानक होते हैं। नागरिक के लिए, कार्य–निष्पादन एक ऐसा लाभ है जो समय पर मिलता है और एक ऐसी कीमत जो उचित रहती है; उद्यम के लिए, यह नीतिगत स्पष्टता और विस्तार का एक विश्वसनीय मार्ग है; राज्य के लिए, यह ऐसी व्यवस्थाएँ हैं जो दबाव में भी टिकी रहती हैं और उपयोग के साथ बेहतर होती जाती हैं।

यही वह पैमाना है जिससे नरेंद्र मोदी को देखा जाना चाहिए; एक ऐसे कर्मयोगी के रूप में जिनका कार्य–निष्पादन तमाशा नहीं, बल्कि सेवा है, जो भारतीय इतिहास के अगले अध्याय को आकार दे रहा है।

वैश्विक वर्चस्व की कुंजी ऊर्जा नीतियां

विनीत नारायण

आज की दुनिया में ऊर्जा नीतियां सिर्फ आर्थिक निर्णय नहीं हैं, बल्कि वैश्विक वर्चस्व की कुंजी हैं। जब अमेरिका तेल और गैस पर दांव लगा कर पुरानी राह पर लौट रहा है, वहीं चीन स्वच्छ ऊर्जा क्रांति को गति दे रहा है। यह विरोधाभास न केवल आर्थिक असंतुलन पैदा कर रहा है, बल्कि भविष्य की तकनीकी दिग्गजों–जैसे ीआिर्टफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)–के लिए बुनियादी ढांचे को भी प्रभावित कर रहा है। साइरस जेन्सेन की हालिया वीडियो 'अमेरिका जस्ट मेड द ग्रेटेस्ट मिस्टेक ऑफ द 21वीं सेंचुरीइ इस मुद्दे को बेबाकी से उजागर करती है।

अमेरिका, जो कभी नवाचार का प्रतीक था, अब अपनी ऊर्जा नीतियों में उल्टा चढ़ाव दिखा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में, अमेरिका ने अलास्का में 44 अरब डॉलर का प्राकृतिक गैस प्रोजेक्ट शुरू किया था। जनरल मोटर्स जैसी कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की योजनाओं को रद्द कर रही हैं, और वी8 गैस इंजनों पर लौट रही हैं। यहां तक कि ईवी खरीद पर टैक्स क्रेडिट भी समाप्त कर दिए गए हैं। यह सब तब हो रहा है, जब दुनिया जलवायु परिवर्तन से जूझ रही है, और नवीकरणीय ऊर्जा ही भविष्य का रास्ता दिख रही है।

जेन्सेन की वीडियो में साफ कहा गया है कि अमेरिका की यह रणनीति अल्पकालिक लाभ के लिए है। तेल और गैस निर्यात बढ़ाने से तत्काल आर्थिक फायदा तो मिलेगा, लेकिन लंबे समय में यह वैश्विक बाजारों में पीछे धकेल देगा। अमेरिका ने 1950 के दशक में सोलर पैनल विकसित किए थे, 1970 के दशक में लिथियम–आयन बैटरी का आविष्कार किया, लेकिन रोनाल्ड रीगन जैसे नेताओं ने जिमी कार्टर के व्हाइट हाउस सोलर पैनल हटाकर इसकी उपेक्षा की। आज भी वही पुरानी सोच हावी है।

परिणामस्वरूप, अमेरिका ईवी निर्यात में मात्र 12 अरब डॉलर और बैटरी निर्यात में 3 अरब डॉलर पर सिमट गया है, जबकि सोलर पैनल निर्यात तो महज 69 मिलियन डॉलर का है। यह भूल सिर्फ आर्थिक नहीं, भू–राजनीतिक भी है। वैश्विक दक्षिण–जो सौर और पवन ऊर्जा के 70 प्रतिशत स्रेतों और महत्त्वपूर्ण खनिजों के 50 प्रतिशत का नियंत्रण रखता है–अब नवीकरणीय ऊर्जा की ओर मुड़ रहा है।

अमेरिका का जीवाश्म ईधन पर फोकस इन देशों को अलग–थलग कर देगा जबकि चीन इनके साथ साझेदारी कर रहा है। वहीं, चीन ने स्वच्छ ऊर्जा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बना लिया है। 2024 में चीन ने दुनिया के बाकी देशों से ज्यादा विंड टर्बाइन और सोलर पैनल लगाए। ईवी और बैटरी स्टोरेज में निवेश ने इसे वैश्विक नेता बना दिया है। पिछले साल चीन ने 38 अरब डॉलर के ईवी निर्यात किए, 65 अरब डॉलर की बैटरी बेचीं, और सोलर पैनल के 40 अरब डॉलर के निर्यात किए। स्वच्छ ऊर्जा पेटेंट में चीन के पास 7 लाख से ज्यादा हैं, जो दुनिया के आधे से अधिक हैं।

जेन्सेन उद्धृत करते हुए बताते हैं कि चीन की सफलता का राज समन्वित प्रयास है। सीएल के सह–अध्यक्ष शिएन पैन कहते हैं, 'चीन को लंबे लक्ष्य पर प्रतिबद्ध करना मुश्किल है, लेकिन जब हम प्रतिबद्ध होते हैं, तो समाज के हर पहलू–सरकार, नीति, निजी क्षेत्र, इंजीनियरिंग–सभी एक ही लक्ष्य की ओर कड़ी मेहनत करते हैं।इ यह दृष्टिकोण अमेरिका की छिटपुट नीतियों से बिल्कुल अलग है।

चीन अब वैश्विक बाजारों में फैल रहा है। ब्राजील, थाईलैंड, मोरक्को और हंगरी में ईवी और बैटरी फैक्टरियां बना रहा है। हंगरी में 8 अरब डॉलर का कारखाना, इंडोनेशिया में 11 अरब डॉलर का सोलर प्लांट–ये निवेश न केवल आर्थिक, बल्कि भू–राजनीतिक लाभ भी दे रहे हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के हवाले से जेन्सेन कहते हैं, 'ईवी बैटरी बनाने वाले देश दशकों तक आर्थिक और भू–राजनीतिक फायदे काटेंगे। अभी तक का एकमात्र विजेता चीन है।

पिछले 15 वर्षों में चीन ने बिजली उत्पादन में अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। यह आंकड़ा महत्त्वपूर्ण है क्योंकि एआई जैसी उभरती तकनीकें बिजली पर निर्भर हैं। चीन का स्वच्छ ऊर्जा निवेश न केवल पर्यावरण बचाएगा, बल्कि एआई क्रांति में भी नेतृत्व देगा।

आरएमआई की 'पावरिंग अप द ग्लोबल साउथइ रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक दक्षिण के 70 प्रतिशत सौर–पवन संसाधन चीन की रणनीति से जुड़ रहे हैं। यह संघर्ष सिर्फ दो महाशक्तियों का नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का है। वैश्विक दक्षिण–अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, दक्षिण एशिया–अब सस्ती और सतत ऊर्जा की तलाश में है। चीन ने इन देशों में सस्ते सोलर पैनल और ईवी तकनीक पहुंचाई है, जबकि अमेरिका के महंगे गैस प्रोजेक्ट इनके लिए बोझ साबित हो रहे हैं। परिणाम? ये देश चीन की ओर झुक रहे हैं।

भारत के संदर्भ में देखें तो यह चेतावनी स्पष्ट है। हमारी 'मेक इन इंडियाइ और 'प्लेड्ज फॉर क्लाइमेटइ पहलें स्वच्छ ऊर्जा पर केंद्रित हैं, लेकिन चीन का वर्चस्व चुनौती है। भारत सोलर और विंड में प्रगति कर रहा है, लेकिन बैटरी और ईवी चिप्स में आयात पर निर्भरता बनी हुई है। यदि हम चीन की तरह समन्वित नीति नहीं अपनाते, तो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में पीछे रह जाएंगे। अमेरिका की गलती से सबक लेते हुए, भारत को स्वदेशी नवाचार पर जोर देना चाहिए–जैसे लिथियम खनन और बैटरी रिसाइक्लिंग में निवेश।

अमेरिका की यह भूल नई नहीं है। 20वीं सदी में जापान ने इलेक्ट्रॉनिक्स में अमेरिका को पीछे छोड़ा था क्योंकि अमेरिका ने अल्पकालिक लाभ को प्राथमिकता दी। आज चीन स्वच्छ ऊर्जा में वही कर रहा है। जेन्सेन की वीडियो एक चेतावनी हैः जो देश बिजली उत्पादन में आगे होगा वही एआई और अगली औद्योगिक क्रांति जीतेगा। अमेरिका को अपनी नीतियां पलटनी होंगी–ईवी सब्सिडी बहाल करनी होंगी, नवीकरणीय अनुसंधान में निवेश बढ़ाना होगा। लेकिन समय कम है।

चीन का बढ़त 10 वर्षों का नहीं, बल्कि दशकों का हो सकता है। अमेरिका ने 21वीं सदी की सबसे बड़ी गलती कर दी है–जीवाश्म ईधन पर दांव लगा कर स्वच्छ ऊर्जा के भविष्य को गंवा दिया। चीन का उदय एक सबक हैः समन्वित, दूरदर्शी नीतियां ही विजेता बनाती हैं। भारत जैसे देशों को इस दौड़ में शामिल होना चाहिए ताकि हम न केवल पर्यावरण बचाएं, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता भी हासिल करें। समय आ गया है कि दुनिया एकजुट होकर स्वच्छ ऊर्जा को अपनाए अन्यथा इतिहास हमें माफ नहीं करेगा।

बॉक्स ऑफिस पर पवन कल्याण की ओजी ने मचाया धमाल

तेलुगू सुपरस्टार पवन कल्याण इन दिनों खूब चर्चा में हैं और हों भी क्यों न, उनकी फिल्म दे कॉल हिम ओजी जो बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। इसने पहले दिन सिनेमाघरों में तहलका मचा दिया। दूसरे दिन भले ही इसकी कमाई गिर गई, लेकिन 2 दिन में ही फिल्म ने 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया। अब फिल्म के तीसरे दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ गए हैं। एक नजर इसकी बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट पर।

फिल्म ने पेड प्रिव्यू से 21 करोड़ रुपये जुटाए थे और फिर इसे मिलाकर रिलीज के पहले दिन फिल्म ने 63.75 करोड़ रुपये कमाए। दूसरे दिन फिल्म की कमाई बेशक घटी, लेकिन फिर भी अच्छा कारोबार हुआ।

ये 18.75 करोड़ रुपये, वहीं रिलीज के तीसरे दिन फिल्म ने 18.75 करोड़ रुपये की कमाई करते हुए अब तक भारत में कुल 122.25 करोड़ रुपये बटोर लिए हैं। भले ही फिल्म को हिंदी दर्शक नहीं मिल रहे, लेकिन इसकी कमाई शानदार है। फिल्म को विदेशों में भी खूब पसंद किया जा रहा है। इसे बनाने में 250 करोड़ रुपये लगे हैं और इसने सिर्फ 3 दिनों में 200 करोड़ रुपये का वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर लिया है। इसी के साथ दुनियाभर में इतना बड़ा आंकड़ा पार करने वाली ये पवन के करियर की पहली फिल्म बन गई है।

पवन साउथ के उन सितारों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने हिंदी पट्टी के दर्शकों के समर्थन के बिना ही बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

मीराबाई चानू ने वर्ल्ड वेटलिफ्टर चैंपियनशिप में जीता सिल्वर मेडल, कुल 199 किलोग्राम वजन उठाया

नई दिल्ली , भारत की स्टार महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में सिल्वर मेडल अपने नाम कर लिया है। उन्होंने वर्ल्ड वेटलिफ्टर चैंपियनशिप में 48 किलोग्राम भार वर्ग में हिस्सा लिया और 3 साल बाद इस बड़े टूर्नामेंट में पदक जीत लिया। इससे वर्ल्ड चैंपियनशिप में उनके कुल 3 पदक हो गए हैं। इससे पहले उन्होंने वर्ल्ड चैंपियनशिप 2017 में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। फिर साल 2022 में सिल्वर मेडल जीता था। वहीं वह भारत के लिए टोक्यो ओलंपिक 2020 में सिल्वर मेडल अपने नाम कर चुकी हैं। मीराबाई चानू पेरिस ओलंपिक 2024 में पदक नहीं जीत पाई थीं और वह चौथे स्थान पर रही थीं। इसके बाद उनके ऊपर वर्ल्ड चैंपियनशिप में अच्छा करने का दवाब था। फिर उन्होंने अच्छे प्रदर्शन से दूसरा स्थान हासिल किया। मीराबाई ने स्नैच कैटेगरी में कुल 84 किलोग्राम का वजन उठाया। इसके बाद क्लीन एंड जर्क कैटेगरी में 115 किलोग्राम का वजन उठाया। इस तरह से उन्होंने कुल 199 का किलोग्राम का वजन उठाकर रजत पदक जीत लिया।

भारत बनाम वेस्टइंडीज : केएल राहुल ने लगाया 11वां टेस्ट शतक, मजबूत स्थिति में टीम इंडिया

अहमदाबाद ,भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में जारी पहले टेस्ट मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। टीम इंडिया ने मैच के दूसरे दिन लंच ब्रेक तक 3 विकेट खोकर 218 रन बना लिए हैं। यहां से टीम इंडिया के पास 56 रन की लीड है। सलामी बल्लेबाज केएल राहुल टेस्ट करियर का 11वां शतक अपने नाम कर चुके हैं।केएल राहुल 192 गेंदों में 100 रन बनाकर नाबाद हैं। यह सलामी बल्लेबाज अब तक अपनी पारी में 12 चौके लगा चुका है। राहुल का घरेलू मैदान पर एकमात्र अन्य टेस्ट शतक दिसंबर 2016 में चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ आया था। फिलहाल, उनका साथ ध्रुव जुरेल दे रहे हैं, जिन्होंने 38 गेंदों में 1 चौके के साथ 14 रन अपने खाते में जुटा लिए हैं। भारत ने दूसरे दिन की शुरुआत 121/2 के स्कोर के साथ की। मेजबान देश ने पहले सेशन

में गिल के रूप में सिर्फ एक ही विकेट गंवाया। टीम इंडिया ने बल्लेबाजी के अनुकूल नजर आ रही इस पिच पर शानदार बैटिंग करते हुए पहले सेशन में 97 रन जुटाए हैं। शुक्रवार को यहां उमस है। ऐसे में गेंदबाज थोड़ी मुश्किल में नजर आ रहे हैं।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जारी इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम को अपना ही फैसला भारी पड़ा। यह टीम पहली पारी में सिर्फ 44.1 ओवर ही खेल सकी। मेहमान टीम महज 162 रन पर सिमट गई।

इस टीम के लिए जस्टिव ग्रीव्स ने 48 गेंदों में सर्वाधिक 32 रन बनाए, जबकि शाई होप ने 26 और कप्तान रोस्टन चेज ने 24 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज ने 40 रन देकर 4 विकेट हासिल किए, जबकि जसप्रीत बुमराह को 3 विकेट मिले। इनके अलावा, कुलदीप यादव ने 2, जबकि वॉशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट हासिल किया।

इसके जवाब में भारतीय टीम 67 ओवरों के खेल तक 3 विकेट खोकर 218 रन बना चुकी है। भारत को सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने पहले विकेट के लिए 68 रन बनाए।

ब्लैक बिकिनी में समुद्र किनारे तारा सुतारिया ने ढाया कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया फिल्मों में कम एक्टिव हैं. लेकिन वो अपने लुक्स को लेकर लाइमलाइट बटोरती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस समुद्र किनारे से अपनी कुछ सिजलिंग तस्वीरें फैंस के साथ शेयर की. जो अब सोशल मीडिया का पारा बढ़ा रही है. तस्वीरों में तारा का ब्लैक बिकिनी लुक देखने को मिला है. जो फैंस को खूब पसंद आ रहा है. दरअसल तारा सुतारिया की ये तस्वीरें मालदीव वेकेशन की हैं. जो हाल ही में उन्होंने फैंस के साथ शेयर की. इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ब्लैक कलर की बिकिनी पहने हुए नजर आ रही हैं. जो कैमरे के लिए सिजलिंग और हॉट पोज दे रही हैं. तस्वीरों में तारा की पतली कमर को देख फैंस उनके दीवाने बन बैठे हैं. फोटो शेयर कर एक्ट्रेस ने लिखा, 'डॉल्फ़िन के साथ एक हफ्ता.. तारा की ये तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं. जिनपर यूजर्स भी खूब कमेंट कर रहे हैं. एक ने लिखा, हुस्नपरी. दूसरे ने कहा, सो हॉट. एक यूजर ने लिखा है, कितनी सुंदर हो. एक फैन ने लिखा है, हॉटनेस ओवरलोडेड.. बता दें कि तारा की तस्वीरों पर लाखों लाइक्स आ चुके हैं. बता दें कि तारा सुतारिया अपने अभी तक के फिल्मी करियर में स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2,मरजावां, तड़प, हीरोपंती 2, एक विलेन रिटर्न्स, और अपूर्वा जैसी फिल्मों में काम किया है.

साची बिंद्रा मन्नू क्या करेगा के लिए मिल रहे प्यार से बेहद खुश

साची बिंद्रा अपनी हालिया रिलीज़ मन्नू क्या करेगा के लिए मिल रहे प्यार से बेहद खुश हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि उन्होंने ये रोल कैसे पाया? एक्ट्रेस ने याद किया कि जब वे अपने दोस्तों के साथ पुर्तगाल ट्रिप पर थीं, तभी फिल्म के मेकर्स का कॉल आया। पार्टी और मस्ती भरी उस शाम को उन्होंने वहीं अपना पहला स्क्रीन ऑडिशन दिया!

ऑडिशन के लिए उन्हें एक ऐसा सीन शूट करना था जिसमें जिया (उनका किरदार) मन्नू को थप्पड़ मारती है। साची ने तुरंत अपना फोन उठाया और दोस्तों ने कैमरा एंगल्स सेट करने में मदद की। मौके का पूरा फायदा उठाते हुए, साची ने अपने अभिनय का दमखम दिखाया और उनका ये नैचुरल अंदाज़ मेकर्स को भा गया। इसी ऑडिशन से उन्हें फिल्म में जगह मिली और आज वे इसी किरदार से दर्शकों का दिल जीत रही हैं। जिया के रूप में साची की गहराई और ताज़गीभरा अंदाज़ दर्शकों और समीक्षकों दोनों को पसंद आ रहा है।

इंटरनेशनल लीग टी20 नीलामी, आर अश्विन पर सबकी निगाहें

नईदिल्ली,यूएई की सबसे बड़ी टी20 लीग आईएल (इंटरनेशनल लीग) के चौथे सीजन की नीलामी आज यानी एक अक्टूबर को दूबई में होने जा रही है. जिसमें दुनिया भर के लगभग 300 खिलाड़ी ऑक्शन का हिस्सा होंगे. इस नीलामी की खास बात ये है कि इसमें पहली बार भारतीय क्रिकेट टीम का कोई लोकप्रिय खिलाड़ी भाग ले रहा है और वो भी सबसे ज्यादा बेस प्राइज के साथ.

उस खिलाड़ी का नाम रविचंद्रन अश्विन है, जिनको लीग के सबसे उच्चतम श्रेणी 1 लाख 20 हजार डॉलर में रखा गया. अश्विन के इंटरनेशनल क्रिकेट और आईपील से संन्यास के बाद पहली बार किसी वर्ल्ड फ्रैंचाइजी लीग में भाग लेंगे.अश्विन के अलावा एक और पूर्व

भारतीय खिलाड़ी दिनेश कार्तिक नीलामी से पहले ही आईएलटी20 के चौथे संस्करण में शारजाह वॉरियर्स से जुड़ गए हैं. फ्रैंचाइजी ने नीलामी से पहले ही उनको साइन कर लिया है. हाल ही में वो दक्षिण अफ्रीका की टी20 लीग एसए में पार्ल रॉयल्स के लिए खेले थे.

इंटरनेशनल लीग की नीलामी में पाकिस्तान के फखर जमान, इंग्लैंड के जेसन रॉय और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं. 20 से ज्यादा देशों के क्रिकेटरों ने नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है, जिनमें विश्व प्रसिद्ध खिलाड़ियों के साथ–साथ खाड़ी क्षेत्र के उभरते क्रिकेटर भी शामिल हैं.

नीलामी के लिए खिलाड़ियों को चार मूल्य कैटेगरी में विभाजित किया गया है, जिनमें सबसे बड़ी कैटेगरी 120,000 यूएस डालर की है, उसके बाद दूसरी कैटेगरी 80,000 यूएस डॉलर है, तीसरी कैटेगरी 40,000 यूएस डॉलर की है और चौथी कैटेगरी 10,000 यूएस डॉलर की है. 80,000 डॉलर की श्रेणी में पाकिस्तान के फखर जमान, सैम अयूब, मोहम्मद नवाज और तेज गेंदबाज नसीम शाह और फहीम अशरफ के अलावा इंग्लैंड के जेसन रॉय, वेस्टइंडीज के आंद्रे फ्लेचर और अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी और करीम जन्नत शामिल हैं.

संक्षिप्त समाचार

जिले की सड़कें जल्द होगी गड्ढा मुक्त

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : सड़कों को गड्ढा मुक्त करने को लेकर प्रशासन ने सुधारीकरण का काम शुरू कर दिया है। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया के निर्देश पर शुक्रवार को जिले के सभी एसडीएम ने अपने-अपने क्षेत्रों में राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग, पीएमजीएसवाई की सड़कों पर चल रहे सुधारीकरण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कहीं-कहीं पर कार्य प्रगति पर पाया गया, जबकि कुछ मार्गों पर कार्य अभी शुरू नहीं हुआ था। जिस पर उपजिलाधिकारियों ने संबंधित विभागों के अधिशासी अभियंताओं को जल्द कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

शुक्रवार को एसडीएम पौड़ी दीक्षिता जोशी ने बुआखाल-पौड़ी, घुड़दौड़ी-देवप्रयाग और गजा-जाजल मार्ग का जायजा लिया, एसडीएम श्रीनगर ने खिर्सू-खेड़ाखाल व पौड़ी-देहलचौरी मार्ग का निरीक्षण किया। एसडीएम चौबट्टाखाल ने नौगांवखाल-मुनाखाल और नौगांवखाल-चौबट्टाखाल मार्ग, एसडीएम थलीसैंण ने चौरीखाल-नैणी मक और जल्लू-नैणी मार्ग, एसडीएम धुमाकोट ने लिस्टियाखेत-खाल्यूडांडा और खाल्यूडांडा-भौन अपोला मार्ग, एसडीएम चाकीसैंण ने एनएच बुआखाल-पैठाणी-सलोनधार तथा पाबौ के चंगीन-कुचोली मार्ग का निरीक्षण किया। डीएम स्वाति एस भदौरिया ने बताया कि जिले में सड़कों को गड्ढा मुक्त करने को लेकर कार्य शुरू कर दिया गया है। सभी अफसरों को गुणवत्ता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए है। निरीक्षण के दौरान कार्य में लापरवाही मिलने पर संबंधित अफसर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चोरों ने तोड़े घरों और स्कूल के ताले, उड़ाई नकदी

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के गवाणा जाखी डागर में बुधवार रात्रि चोर घरों और स्कूल का ताला तोड़ नकदी ले उड़े। बताया जा रहा है उस समय घरों में कोई भी मौजूद नहीं था। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार रात्रि को गवाणा जाखी डागर में रविंद्र सिंह चौहान, चंदन सिंह, जैमल सिंह, स्वरूप सिंह के घर चोरी हो गयी। चोरों ने घरों के दरवाज़े के कुंडे को आरी से काटा और अंदर घुसकर नकदी और ज्वैलरी ले उड़े। जब लोग अपने घर पहुंचे तो उनके होश उड़ गये। पीड़ितों ने कोतवाली कीर्तिनगर पहुंचकर अपनी शिकायतें दर्ज करवाई। ग्राम प्रधान गवाणा सुरेश सिंह चौहान, कनिष्ठ प्रमुख प्रियंका जायड़ा ने बताया कि गवाणा में चार घरों सहित स्कूलों के ताले टूटे मिले हैं। बताया कि घरों से नकदी, दस्तावेज सहित ज्वैलरी चोरी हुई है। इससे पहले गांवों में कई बार चोरी हुई है, लेकिन अभी तक कोई भी खुलासा नहीं हुआ है। बताया कि रविंद्र सिंह चौहान के घर दूसरी बार चोरी हुई है। बताया कि राजकीय प्राथमिक विद्यालय का ताला तोड़ दास्तावेजों को इधर-उधर फैलाया गया है। कीर्तिनगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवराज शर्मा ने बताया कि गवाणा जाखी डागर में चोरी होने की लिखित सूचना प्राप्त हुई है। बताया कि गवाणा में चार घरों सहित विद्यालय में चोरी हुई है। बताया कि घर में रह रही बुजुर्ग महिला रात्रि विश्राम के लिए गांव में ही किसी के घर गयी थी,जबकि बगल पड़ोसी गांव में ही शादी में शामिल होने गये थे। कोतवाल शर्मा ने बताया कि घर से 3 हजार रूपये की नोटों की माला और एक नाक की ज्वेलरी चोरी हुई है। बताया कि पुलिस मामले में जुटी हुई है। जल्द ही चोरी का खुलासा किया जायेगा। (एजेंसी)

जनपदीय शरदकालीन प्रतियोगिताएं आज से

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पौड़ी जिले की 75वीं जनपदीय शरदकालीन क्रीड़ा प्रतियोगिताएं ı शनिवार से रांसी स्टेडियम में शुरू होगी। प्रतियोगिता में जिले के पंद्रह ब्लाकों के 1500 सौ से अधिक खिलाड़ी प्रतिभाग करेगें। प्रतियोगिता का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रचना बुटोला करेगी।

जिला खेल समन्वयक योगंबर सिंह ने बताया कि खिलाड़ियों के रहने की व्यवस्था विभिन्न जगहों पर की गई है। आपदा की वजह से इस बार इन प्रतियोगिताओं के आयोजन में कुछ देरी भी हो गई। जिले में पाबौ और यमकेश्वर आदि ब्लाकों में ब्लाक स्तर की प्रतियोगिताओं में देरी भी हो गई थी। अब ये प्रतियोगिताएं 7 अक्टूबर तक संचालित होगी। प्रतियोगिताओं में एथलेट्स छोड़ अन्य सभी खेल शामिल होंगे।

सड़क पर उतरे कांग्रेसी, समस्याओं के निराकरण की मांग

पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी के नेतृत्व में निकाली गई आक्रोश रैली

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर की विभिन्न समस्याओं को लेकर कांग्रेसियों ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया। कहा कि भाजपा सरकार केवल जनता का शोषण कर रही है। इस दौरान कांग्रेसियों ने तहसील परिसर में सत्याग्रह भी किया। कहा कि यदि जल्द समस्याओं का निर-ाकरण नहीं हुआ तो आंदोलन को तेज किया जाएगा।

शुक्रवार को पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी के नेतृत्व में कांग्रेसी हिंदू पंचायती धर्मशाला में एकत्रित हुए। यहां से वह नारे बाजी करते हुए झंडाचौक, बदरीनाथ मार्ग होते हुए तहसील परिसर में पहुंचे। जहां उन्होंने सत्याग्रह किया। सभा को संबोधित करते हुए पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि चुनाव के दौरान भाजपा ने जनता से बड़े-बड़े वादें किए थे। लेकिन, सत्ता में बैठते ही भाजपा ने जनता का शोषण करना शुरु कर दिया। वर्तमान में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर गरीब की जेब पर डाका डाल रहा है। जब पुराने स्मार्ट मीटर बेहतर तरीके से कार्य कर रहे हैं। इनकी अवधि भी समाप्त नहीं हुई है, फिर भी नए स्मार्ट मीटर लगाना सरकारी की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। कहा कि उत्तराखंड में उच्च शिक्षा लेने के बाद भी बेरोजगार सड़कों पर भटक रहे हैं। नकल विरोधी कानून बनाने के बाद भी पेपर लीक हो रहा हैं। कहा कि जिस तरह बेरोजगारों ने आंदोलन चलाकर मुख्यमंत्री को अपने आगे झुकने के लिए मजबूर किया, उसी तरह कोटद्वार वासियों को भी एकजुट होकर अपनी समस्याओं के लिए संघर्ष करना होगा। कहा कि वर्तमान में नगर निगम शहर वासियों से संपत्ति सहित अन्य कर वसूलने की तैयारी कर रहा है। लेकिन, जब तक सुविधाएं नहीं हैं, शहरवासी किसी भी तरह का टैक्स नहीं भरेंगे। कहा कि सात वर्षों से लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण का मामला न्यायालय में लंबित है। आज तक सरकार ने न्यायालय में इसकी बेहतर पैरवी नहीं की। यदि सरकार चाहती तो यह मार्ग कब का बनकर तैयार हो जाता। कहा कि सरकार महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी लापरवाह बनी हुई है। प्रदेश में लगातार अपराध का ग्राफ बढ़ता जा रहा है।

प्रदेशवासियों की शिकायत व आंदोलन के बाद भी वनंतरा प्रकरण की सीबीआई जांच नहीं करवाई गई। ऐसे में कैसे प्रदेश की व्यवस्थाएं सुधरेगी यह बड़ा सवाल है। इस मौके पर पूर्व महापौर हेमलता नेगी, महानगर अध्यक्ष संजय मित्तल, युकां नेता विजय रावत, अमितराज सिंह रावत, पार्षद सूरज प्रसाद कांति, पार्षद कविता मित्तल, पार्षद गीता नेगी, पार्षद सोनिया नेगी, सुनील सेमवाल, प्रीति सिंह, गीता सिंह आदि मौजूद रहे।

क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर कोटद्वार में सत्याग्रह आंदोलन तक तहत रैली निकालते कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी

समिति ने महात्मा गांधी व शास्त्री को दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर गढ़वाल सर्वोदय मंडल एवं कण्वाश्रम ग्राम स्वराज्य समिति ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान युवाओं को महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने की अपील की गई। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में सदस्यों ने महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर सूती माल्यार्पण किया। डा. सुरेंद्र लाल आर्य ने कहा कि महात्मा गांधी ने अस्पृश्यता को समाज का कलंक तथा घातक रोग माना। जो न केवल स्वयं अपितु समाज को नष्ट कर देता है। गांधी का कहना था कि इसी अस्पृश्यता के कारण समाज पर कई संकट आये। कहा कि आज फिर वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए अस्पृश्यता निवारण अभियान चलाने की आवश्यकता है। कण्वाश्रम ग्राम स्वराज्य समिति हल्दूखाता के अध्यक्ष विनय किशोर रावत ने कहा कि महात्मा गांधी के अनुसार शिक्षा वह है जो बालक के शरीर, मन व आत्मा का विकास करती है। गांधी मनुष्य जीवन का अंतिम उद्देश्य मुक्ति को मानते थे। कहा कि बेहतर समाज निर्माण में महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस मौके पर डा. सुरेंद्र लाल आर्य, नेत्र सिंह रावत, डा. रमाकांत कुकरेती, मंजू रावत, राजेंद्र प्रसाद पंत, मंजू रावत, संपति नेगी, डा. अजय नेगी, दीपक कुकरेती, पीतांबर सिंह राणा, बिजेंद्र सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

नागरिक मंच ने उठाई समस्याओं के निराकरण की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में लगातार बढ़ रही समस्याओं पर नागरिक मंच ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि समस्याओं के निराकरण के लिए शासन-प्रशासन को गंभीरता से कार्य करना चाहिए। इस दौरान लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग को लेकर चल रहे आंदोलन को भी मंच ने अपना समर्थन दिया।

गुरुवार को पीसी नवानी की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें बड़ी संख्या में मंच के सदस्यों ने प्रतिभाग किया। वक्ताओं ने कहा कि शहरवासी दशकों से लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण की मांग उठा रहे हैं। बावजूद आज तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। नतीजा, लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग का निर्माण नहीं होने के कारण आज भी गढ़वाल क्षेत्र की जनता को देहरादून या हरिद्वार जाने के लिए उत्तर प्रदेश से होकर जाना पड़ता है। कहा कि लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण के लिए क्षेत्रीय जनता पिछले कई दशकों से संघर्ष कर रही है। मंच ने मार्ग निर्माण को लेकर चलाए जा रहे आंदोलन को अपना समर्थन दिया। साथ ही रामनगर-कालागढ़-कोटद्वार-हरिद्वार मार्ग को भी खोलने की मांग उठाई गई। कहा कि वन अधिनियम का डंडा दिखाते हुए मार्ग को बंद किया गया है।

मंच ने नार्थ कार्बेट रिसोर्ट में हुई चोरी की घटना का भी खुलासा करने की मांग उठाई। साथ ही शहर में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर का विरोध किया गया। कहा कि जब पुराने मीटर ठीक चले रहे थे तो नए मीटर लगाने की आवश्यकता ही नहीं थी। इस मौके पर मंच के महामंत्री अतुल भट्ट, एसएन पांडेय, राजेंद्र देवरानी, भास्कर बलूनी, अरविंद धूलिया, सुबोध देवरानी, राकेश लखेड़ा, देवव्रत काला, हर्ष वर्धन ध्यानी, महावीर सिंह आदि मौजूद रहे।

8 अक्टूबर को लगेगा रोजगार मेला

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सेवायोजन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 8 अक्टूबर को श्रीनगर के आवास विकास मैदान में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में करीब 800 रिक्तियों पर भर्त्ती की जाएगी। क्षेत्रीय सेवायोजन अधिकारी उत्तम कुमार ने बताया कि मेले में जनपद हरिद्वार, देहरादून की 8 से 10 औद्योगिक इकाइयों के भाग लेने की संभावना है। बताया कि रोजगार मेले में करीब 800 रिक्तियां उपलब्ध कराई जाएंगी। इन रिक्तियों के लिए हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, आईटीआई (फिटर, मशीनिष्ट, इलेक्ट्रिशियन), डी. फार्मा, बी. फार्मा, एम.फार्मा, स्नातक, बीएससी/एमएससी (माइकोकैमिस्ट्री), डिप्लोमा (इलेक्ट्रिकल/मैकेनिकल), बी.टेक (इलेक्ट्रिकल/मैकेनिकल), एएनएम और जीएनएम योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं।

बुराई पर अच्छाई की जीत, धूं-धूं कर जला रावण

कोटद्वार के ग्रास्टनगंज में हुआ रावण के पुतले का दहन

कोटद्वार में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विजयादशमी पर्व

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर व आसपास के क्षेत्र में बुराई पर अच्छाई की जीत 'विजयादशमीह्ल पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस मौके पर ग्रास्टनगंज में आयोजित दशहरा मेले में बुराई के प्रतीक लंकापति रावण के पुतलों का दहन किया गया। इस दौरान क्षेत्र में हल्की बारिश भी हुई। बावजूद मेला देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी हुई थी।

ग्रास्टनगंज में आयोजित दशहरे मेले में गुरुवार सुबह से ही दुकानें व फड़ सजने लगी थी। शाम ढलने के साथ ही ग्रास्टनगंज स्थित दशहरा मेला स्थल खचाखच भर गया। दशहरा मैदान में श्री रामलीला कमेटी मालवीय उद्याल, बाल रामलीला कमेटी व गढ़रामलीला कमेटी ने अपने-अपने रावण के पुतले सजाए हुए थे। देर शाम तीनों रामलीला कमेटियों की ओर से बनाए गए अलग-अलग रावण के पुतलों का दहन किया गया। पुतला दहन को देखने के लिए हजारों की तादाद में लोगों की भीड़ उमड़ी रही। पुलिस को कानून व्यवस्था बनाने को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

पुलिस को करनी पड़ी खासी मशक्कत

एक ओर दशहरा मैदान में तीन-तीन रावण के पुतलों का दहन और दूसरी ओर आमजन मैदान तक पहुंचने को आतुर था। नतीजा, पुलिस को आमजन को मैदान के दूर रखने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ी। दोपहर से ही ग्रास्टनगंज की ओर जाने वाले मार्गों पर पुलिस टीम तैनात हो गई थी, जो दुपहिया व चौपहिया वाहनों को मैदान की ओर जाने से रोक रहे थे। आमजन से भी मैदान से दूर रह पुतला दहन कार्यक्रम देखने का अनुरोध किया जा रहा था।

भटके युवक का टीम ने किया सकुशल रेस्क्यू टीम

रुद्रप्रयाग : बीते दिन 32 वर्षीय हरियाणा निवासी जयप्रकाश पुत्र घनश्याम अपने कुछ साथियों के साथ वासुकिताल ट्रैक पर निकले थे। रास्ता भटकने से वह अपने साथियों से अलग हो गए और देर रात तक लौटकर नहीं आए। इस पर उनके भाई होरीलाल ने चौकी प्रभारी केदारनाथ एवं एसडीआरएफ को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, स्थानीय पुलिस तथा आईटीबीपी निरीक्षक के नेतृत्व में रात्रि में ही संयुक्त रेस्क्यू टीम वासुकिताल क्षेत्र के लिए रवाना हुई।

स्टेडियम ट्रेनिज के नाम रहा फाइनल मुकाबला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के जन्मदिन पर राजकीय स्टेडियम कोटद्वार में बालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान फाइनल मुकाबला स्टेडियम ट्रेनिज के नाम रहा। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विवेक पोखरियाल, सुमित को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब दिया गया।

मुख्य अतिथि राजकीय इंटर कालेज मटियाली के व्यायाम प्रशिक्षक धींरेंद्र सिंह रावत ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अंडर-20 बालक वर्ग बालीवाल प्रतियोगिता का प्रथम मुकाबला बाल भारती व लायंस क्लब के बीच खेला गया। जिसमें 2-1 सेट से लायंस क्लब विजयी रहा। दूसरे मुकाबले में अर्चरी ट्रेनिज ने 2-0 से टाइगर ए को हराया। तीसरे मुकाबले में मवाकोट ने 2-0 से टाइगर बी को हराया। चौथे मुकाबले में मुदाकिनी ने 2-0 सेट से आर्चरी ट्रेनिज को हराया। पांचवे मुकाबले में कोटद्वार किंग्स ने 2-0 से लायंस क्लब को हराया। प्रतियोगिता का पहला सेमीफाइनल मुकाबला मदांकिनी कल्ब एंव मवाकोट ब्वॉयज के मध्य खेला गया, जिसमें मवाकोट ब्वॉयज ने 2-1 सेट से जीत दर्ज की। दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में स्टेडियम ट्रेनिज ने 2-1 से कोटद्वार किंग्स को हराया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकबला स्टेडियम ट्रेनिज एवं मवाकोट ब्वॉयज के मध्य हुआ। जिसमें 2-1 से स्टेडियम ट्रेनिज ने जीत दर्ज कर प्रतियोगिता अपने नाम की। इस मौके पर जिला ओलंपिक संघ के संरक्षक एवं वालीबॉल के वरिष्ठ खिलाड़ी धींरेंद्र सिंह कंडारी, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रशिक्षक सुनील रावत, विक्रम सिंह नेगी, मंयक रावत, शिवम सिंह रावत, मान सिंह थापा, गौरव वाल्मिकी, महेन्द्र सिंह रावत, तेजेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी

कांग्रेस ने महात्मा गांधी व शास्त्री के योगदान को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सदस्यों ने महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के योगदान को याद किया। कहा कि देश के बेहतर विकास में दिए गए महापुरुषों का योगदान भुलाया नहीं जा सकता। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलने का भी संकल्प लिया।

गुरुवार को कांग्रेस कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्प चढ़ाते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि 2 अक्टूबर 1869 को महात्मा गांधी का जन्म गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। आजादी के नायक महात्मा गांधी ने 1891 में इंग्लैंड से वैरिस्ट्री की पढ़ाई की। भारत आने के बाद उन्होंने देश की आजादी में अपना अमूल्य योगदान दिया। उन्होंने समाज को सत्य, अहिंसा, प्रेम व सदभाव का मार्ग दिखाया। वहीं, इसी दिन दो अक्टूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री का जन्म हुआ। लालबाहदुर शास्त्री ने सदैव देश के हित में अपना योगदान दिया। उन्होंने जय जवान, जय किसान का नारा दिया। मरणोपरांत उन्हें भारत रत्न से नवाजा गया। कहा कि देश के युवाओं को अपने महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलना चाहिए। इस मौके पर बलवीर सिंह रावत, रमेश चंद्र खंतवाल, वीरेंद्र सिंह रावत, दलीप सिंह रावत, गोपाल सिंह, लक्ष्मी चौहान, सीला भारती, गोकुल सिंह गुसाईं, नईम अहमद, श्रीधर प्रसाद वेदवाल, कृपाल सिंह, भारत सिंह नेगी, प्रेम सिंह पयाल आदि मौजूद रहे।

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान् परिवार न्यायाधीश महोदय, कोटद्वार गढ़वाल

वैवाहिक वाद संख्या 18 / 2025

श्रीमती ज्योति बनाम योगेश केष्टवाल

समन बनाम्- 1- श्री योगेश केष्टवाल पुत्र श्री चन्द्रमोहन केष्टवाल निवासी ग्राम फतेहपुर, पो0 दुगड्डा, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल।

2- आम व खास

हरगाह वादिनी द्वारा प्रतिवादी के विरूद्ध एक वाद अन्तर्गत धारा 25 (1) (६) समान नागरिक संहिता 2024 के अन्तर्गत विवाह विच्छेद हेतु मेरे न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिसमें सुनवाई हेतु दिनांक 13-10-2025 की तिथि नियत है। जिसमें विपक्षी एवं आम व खास को सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त मामले में किसी को आपत्ति हो तो आप दिनांक 13-10-2025 को न्यायालय में ठीक 10 बजे प्रातः उपस्थित होकर मामले में पैरवी कर आपत्ति दर्ज करें।

आज दिनांक 11-09-2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी।

न्यायालय परिवार न्यायाधीश कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल

(1274/18)

मालवीय उद्यान में लगाई प्रधानमंत्री के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी

कोटद्वार मालवीय उद्यान में प्रदर्शनी का अवलोकन करते महापौर शैलेंद्र सिंह रावत

जयन्त प्रतिनधि।

कोटद्वार : नगर निगम की ओर से सेवा पखवाड़ा के तहत मालवीय उद्यान में प्रधानमंत्री के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई। इस दौरान प्रदर्शनी में हस्तशिल्प स्टाल भी लगाए गए। आमजन से स्वदेशी को अपनाकर देश की आर्थिकी को मजबूत बनाने में योगदान की अपील की गई।

शुक्रवार को प्रदर्शनी का शुभारंभ महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने रिबन काटकर किया। वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके तहत स्वच्छता सहित अन्य कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। कहा कि युवा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरणा ले सकें इसके लिए मालवीय उद्यान में प्रदर्शनी लगाई गई है। प्रदर्शनी में नरेंद्र मोदी के जीवन को रोचक व आकर्षक तरीके से प्रस्तुत किया गया है। प्रदर्शनी में स्थापित हस्तशिल्प स्टाल का महापौर शैलेंद्र सिंह रावत व अन्य अतिथियों ने अवलोकन किया। साथ ही लोगों से स्वदेशी चीजों को अपनाने की भी अपील की गई। कहा कि देश को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए हमें स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए।

खड़ दीया अनुष्ठान 4 नवंबर को

श्रीनगर गढ़वाल : बैकुंठ चतुर्दशी के अवसर पर सिद्धपीठ कमलेश्वर महादेव मंदिर में खड़ दीया अनुष्ठान इस बार चार नवंबर को आयोजित होगा। अनुष्ठान के लिये पंजीकरण की प्रक्रिया जारी है। अभी तक संतान प्राप्ति के लिए 77 निःसंतान दंपतियों ने पंजीकरण कराया है। पंजीकरण कराने वालों में उत्तराखंड के विभिन्न जिलों के अलावा उत्तर प्रदेश, नोएडा, गाजियाबाद, दिल्ली, बैंगलौर, चंडीगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान से दम्पति शामिल हैं। मान्यतानुसार जो भी निःसंतान दम्पति कमलेश्वर महादेव मंदिर में बैकुंठ चतुर्दशी पर्व पर खड़ दीया अनुष्ठान करता है।

उसे भगवान शिव के आशीर्वाद से संतान की प्राप्ति होती है। प्रत्येक वर्ष कमलेश्वर महादेव मंदिर में कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को खड़ दीया अनुष्ठान आयोजित होता है। इस दिन संतान प्राप्ति के लिये देश-विदेश से सैकड़ों की संख्या में लोग खड़ दीया अनुष्ठान में शामिल होते हैं।

पशुओं का टीकाकरण अभियान शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पशुपालन विभाग ने जिले के सभी ब्लाकों में खुरपका-मुंहपका रोग से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान शुरू किया है। पशुओं का यह टीका निःशुल्क लगेगा। अभियान 17 नवंबर तक चलाया जाएगा। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी पौड़ी डॉ. विशाल शर्मा ने बताया कि खुरपका-मुंहपका रोग से बचाव के लिए पशुओं का टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है। अभियान को लेकर विभाग ने 66 दल गठित किए हैं जो गांव-गांव जाकर पशुओं का टीकाकरण करेंगे। हर दल में तीन से चार सदस्य शामिल किए गए हैं। उन्होंने पशुपालकों से अपील कि है कि वे अपने गोवंशीय, महिषवंशीय, भेड़ और बकरियों को अवश्य टीका लगवाएं, ताकि इस रोग से बचाव हो सके विभाग खुरपका-मुंहपका मुक्त बनाने के लिए हर साल टीकारण अभियन को संचालित करता है।

उत्तर रेलवे

अनुबंध आधार पर चिकित्सा चिकित्सकों के लिए साक्षात्कार

मुरादाबाद मंडल में 03 (01-ST, 01-EWS और 01-OBC) संविदा चिकित्सा चिकित्सकों (जी.डी.एम.ओ) की नियुक्ति हेतु साक्षात्कार दि० 29.10.2025 को प्रातः 10:00 बजे मंडल रेलवे अस्पताल, मुरादाबाद में आयोजित किया जाना है। संबंधित जानकारी रेलवे की वेबसाइट www.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है।

कृते मंडल रेल प्रबंधक (का०)
उत्तर रेलवे / मुरादाबाद मंडल
3057/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / समन्वय द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक के सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमान्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	203-DRM-MB-25-26 Dt. : 01.10.2025	204-DRM-MB-25-26 Dt. : 01.10.2025	205-DRM-MB-25-26 Dt. : 01.10.2025
कार्य का नाम	Miscellaneous Track activities in connection with track maintenance of Haridwar yard from Km 25.00 to 29.00 in the section under ADEN/HW.	Heavy repair to level crossing roads surface at various location in the section of ADEN/HW.	Miscellaneous bridge work in the section of SSE/W/RK under ADEN/RK.
निविदा का प्रकार	Works	Works	Works
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक समय	28.10.2025 16:00	28.10.2025 16:00	28.10.2025 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	14.10.2025	14.10.2025	14.10.2025
अनुमानित लागत	54,98,720.31	99,99,386.71	99,97,322.55
धरोहर राशि	1,10,000.00	2,00,000.00	2,00,000.00
निविदा की कीमत	शून्य	शून्य	शून्य
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 माह	12 माह	12 माह
आफर की वैधता	60 दिन	60 दिन	60 दिन

टेन्डर नं. 75-W/2/3/WA/Sr. DEN 1/T.Notice दिनांक : 03.10.2025 3066/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कंपनी को खनन पट्टा आवंटित करने पर लोगों में आक्रोश

श्रीनगर गढ़वाल : कीर्तिनगर तहसील के अंतर्गत ग्राम सभा बागवान में राज्य सरकार द्वारा एक कम्पनी को अलकनंदा नदी किनारे स्थित नए खनन पट्टा आवंटित किए जाने पर ग्रामीणों ने रोष व्यक्त किया है। शुक्रवार को देवप्रयाग जन अधिकार मोर्चा के संस्थापक गणेश भट्ट एवं ग्राम प्रधान नरेश कोठियाल के नेतृत्व में ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी कीर्तिनगर कार्यालय में धरना देते हुए राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। गणेश भट्ट ने कहा कि राज्य सरकार लगातार पहाड़ों में बड़ी-बड़ी कम्पनियों को विकास के नाम पर ठेके दे रही है, जिससे पहाड़ खोखले हो रहे हैं, नदियां सूख रही हैं,खेत और जंगल बर्बाद हो रहे हैं और गांव के गांव खाली हो रहे हैं। ग्राम प्रधान नरेश कोठियाल ने कहा कि ग्राम सभा द्वारा एक वर्ष पूर्व ही जिलाधिकारी टिहरी, क्षेत्रीय विधायक विनोद कंडारी एवं मुख्यमंत्री उत्तराखंड सरकार को इस कम्पनी को पट्टा न देने के विषय में आपति दर्ज की जा चुकी थी, बावजूद इसके कम्पनी को नया खनन पट्टा आवंटित कर देना बेहद निंदनीय है। कहा कि यदि 10 दिनों में खनन पट्टा निरस्त नहीं किया गया तो समस्त ग्रामवासी कम्पनी एवं शासन प्रशासन के विरुद्ध बड़ा आन्दोलन शुरू करेंगे। धरना देने वालों में क्षेत्र पंचायत सदस्य भारती रावत, भल्लेगांव क्षेत्र पंचायत सदस्य चंद्रकला देवी, राम प्रसाद, मथुरा प्रसाद, सुभाष चौहान, अतुल चौहान, शूरवीर सिंह रावत, उदय रावत, नागेंद्र, दीपा देवी, सुधा, अनीता, प्रमिला, विवेक भट्ट, अनिल पांडे, हर्ष लाल आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

संक्षिप्त समाचार

पेपर लीक मामले की जाँच सीबीआई से करवाने की घोषणा का स्वागत किया

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बीएड प्रशिक्षित युवा संघ ने मुख्यमंत्री द्वारा उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग पेपर लीक मामले की जाँच सीबीआई से करवाने की घोषणा का स्वागत किया है।

महासंघ के प्रवक्ता अरविन्द दुदपुड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने नकल माफिया के खिलाफ सीबीआई जांच की संस्तुति देकर जन भावनाओं का सम्मान किया है। नकल मुक्त प्रतियोगी परीक्षाओं को करने के लिए यह महत्वपूर्ण कदम है जिसका महासंघ स्वागत करता है साथ ही उन्होंने कहा कि इंटर कॉलेज प्रवक्ता भर्ती सहित निलंबित की गयी अन्य भर्तियों सहित महिला आरक्षी फॉरेस्टगार्ड आदि की विज्ञप्ति जल्द जारी की जाय एलटी भर्ती परीक्षा का परिणाम जल्द जारी कर न्युक्ति पत्र जारी किये जाय साथ ही दरोगा भर्ती परीक्षा में गणित के सवालों को कम करना क्योंकि इस भर्ती परीक्षा में कला संवर्ग व्हाट संवर्ग स्नातक भी शामिल होते हैं।

8 अक्टूबर से शुरू होगें विशेष सहायता उपकरण परीक्षण एवं वितरण शिविर

चमोली : राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तराखण्ड देहरादून के निर्देशानुसार विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए सहायक उपकरण परीक्षण एवं वितरण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से जनपद स्तर पर जरूरतमंद बच्चों को उनके परीक्षण उपरान्त आवश्यकतानुसार एलिम्को-कानपुर की सहायता से सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे। इन शिविरों में विकासखण्ड स्तर के सभी दिव्यांग छात्र-छात्राओं का परीक्षण विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किया जाएगा तथा आवश्यकता अनुसार सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे।वर्ष 2025-26 हेतु जनपद चमोली में आयोजित होने वाले सहायक उपकरण परीक्षण शिविर का कार्यक्रम इस प्रकार है विकासखंड दशोली, जोशीमठ, नन्दानगर के शिविर 08 अक्टूबर को बीआरसी दशोली में, विकासखंड कर्णप्रयाग, पोखरी के शिविर 09 अक्टूबर को बीआरसी कर्णप्रयाग में एवं देवाल, थराली, नारायणबगड़ विकासखंड के शिविर बीआरसी थराली में 10 अक्टूबर को तथा बीआरसी गैरसैंण में 11 अक्टूबर को विशेष सहायता उपकरण परीक्षण एवं वितरण शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को शिविरों के सफल संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को शिविर में अवश्य लेकर आएं, ताकि उन्हें समय पर आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध हो सके।

कांग्रेस का राज्यव्यापी हस्ताक्षर अभियान यात्रा आज से

देहरादून। भाजपा सरकार की अग्निवीर योजना के विरोध में उत्तराखंड कांग्रेस चार अक्टूबर से राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करने जा रही है। प्रदेश कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग इस अभियान की अगुवाई करेगा। विभाग के अध्यक्ष कर्नल राम रतन सिंह नेगी (सेनि) ने बताया कि आंदोलन की शुरुआत हस्ताक्षर यात्रा से होगी। शनिवार को सुबह 11 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा हरी झंडी दिखाकर यात्रा दल को रवाना करेंगे। यह यात्रा पहले चरण में गढ़वाल मंडल के कोटद्वार, लैंसडौन, दुगड्डा, बुवाखाल, सतपुली, पौड़ी और श्रीनगर तक पहुंचेगी। नेगी ने कहा कि केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस लगातार आवाज उठाती रही है। अग्निवीर योजना युवाओं के रोजगार और राष्ट्र की सुरक्षा दोनों के लिए घातक है। इसी विरोध को जनता तक पहुंचाने के लिए प्रदेशभर में हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा।

मुकदमा वापस न लेने पर तेजाब फेंकने की धमकी

देहरादून। नेहरू कॉलोनी थाना क्षेत्र में एक महिला को मुकदमा वापस न लेने पर तेजाब फेंकने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने आरोपी जीतू चौधरी के खिलाफ गुरुवार को केस दर्ज कराया है। पीड़िता निवासी सरस्वती विहार, अजबपुर खुर्द की ओर से दिए साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। एसओ नेहरू कॉलोनी संजीत कुमार ने बताया कि शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में बताया कि आरोपी जीतू चौधरी निवासी नकरौंदा फार्म हाउस, देहरादून लंबे समय से उन्हें परेशान कर रहा है। वह उनके घर के आसपास चक्कर काटता है और परेशान करता है। बताया कि उन्होंने पहले भी जीतू चौधरी के खिलाफ बीते दो जुलाई को डालनवाला थाने में एक एफआईआर दर्ज कराई थी।

किमार के देवेश ने जीती सतपुली हाफ मैराथन

महिला वर्ग में अक्षरा, अंडर-14 बालक वर्ग में दीपक और बालिका वर्ग में सोनल ने लहराया परचम

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : होली के हुल्यार टीम और व्यापार मंडल, सतपुली के संयुक्त तत्वावधान में गांधी जयंती के मौके पर आयोजित सद्भावना हाफ मैराथन के ओपन वर्ग में जयहरीखाल विकासखंड की कौड़िया पट्टी के देवेश नेगी विजेता रहे। जबकि महिला वर्ग में कल्जीखाल ब्लाक की बूंगा मल्ला की अक्षरा, अंडर-14 बालक वर्ग में कल्जीखाल ब्लाक के असवालस्यूं पट्टी के सुराल गांव के दीपक और बालिका वर्ग में जयहरीखाल ब्लाक की मल्ला बदलपुर पट्टी के बंदूण गांव की सोनल ने पहला स्थान प्राप्त किया।

सतपुली बस अड्डे से एनएच 534 पर मैटाकुंड एवं मलेठीसैंण तक आयोजित ओपन हाफ मैराथन में महिला एवं अंडर-14 बालक-बालिका वर्ग में 12 किमी., जबकि पुरुष वर्ग में 20 किमी. की दूरी रखी गई थी। हाफ मैराथन के विभिन्न वर्गों को कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज के प्रतिनिधि राय सिंह नेगी, नगर पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र चौहान, कुंती दयाल फाउंडेशन के दिगमोहन नेगी और भाजपा नेता वेद प्रकाश वर्मा, थानाध्यक्ष सतपुली जगमोहन रमोला ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हाफ मैराथन के पुरुष वर्ग की 20 किमी. दौड़ को देवेश नेगी ने (1 घंटा 3 मिनट) में पूरा कर पहला स्थान हासिल किया। जबकि विवेक राणा (1 घंटा 12 मिनट) ने दूसरा और अमध रावत (1 घंटा 15 मिनट) तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग की 12 किमी. दौड़ में अक्षरा (1 घंटा 1 मिनट), प्रियांशी (1 घंटा 1.5 मिनट) और आयशा (1 घंटा 2 मिनट) पहले तीन स्थानों पर रही। वहीं अंडर-14 बालक वर्ग में दीपक कुमार (45 मिनट), सागर डोबरियाल (48 मिनट) और ऋषभ सिंह (50 मिनट) ने पहले तीनों स्थानों पर कब्जा जमाया। अंडर-14 बालिका वर्ग में सोनल गुसाईं (1 घंटा 5 मिनट), श्रेयांशी रावत (1 घंटा 6 मिनट) और कविता (1 घंटा 8 मिनट) ने जीती। हाफ मैराथन में 84 वर्षीय वयोवृद्ध रणजीत सिंह रावत ने भी प्रतिभाग कर दौड़ पूरी की। चारों वर्गों में प्रथम तीन स्थानों पर आने वाले विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा ट्राफी, प्रशस्ति पत्र, मैडल एवं 31, 21 व 11 सौ रुपए की नगद राशि प्रदान की गई। जबकि अन्य सभी वर्गों में 15 सांत्वना पुरस्कार के रूप में प्रतिभागियों को टी-शर्ट, प्रमाण-पत्र एवं मेडल दिए गए। इस मौके पर आयोजन समिति से होली के हुल्यार टीम के मनीष खुगशाल, व्यापार मंडल अध्यक्ष जयदीप नेगी, प्रेम सिंह, सभासद चंद्रमोहन सिंह, संदीप डोबरियाल, चंद्रमोहन रावत, कृष्णा बौंठियाल आदि मौजूद रहे।

20 नए डॉक्टरों में 13 ने कार्यभार संभाला

रुद्रप्रयाग : जनपद में हाल ही में 20 नए डॉक्टरों की तैनाती के बाद अभी तक महज 13 डॉक्टरों ने ही कार्यभार संभाला है, जबकि 7 डॉक्टरों का अभी भी इंतजार बना है। हालांकि ये सभी डॉक्टर जिला चिकित्सालय में ही तैनाती देंगे। इधर, जिला चिकित्सालय में जनरल सर्जन का पद रिक्त है जिससे दूर दराज से आने वाले मरीजों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के लिए हाल ही में ही सरकार ने रुद्रप्रयाग जनपद को 20 नए डॉक्टर दिए।

ताकि जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को और अच्छा किया जा सके। प्राथमकि, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के साथ ही जिला चिकित्सालय में डॉक्टर मरीजों की हर समस्या का समाधान कर सके, इसके लिए इन डॉक्टरों को शीघ्र कार्यभार संभालने को कहा गया, किंतु अभी तक जनपद में 13 डॉक्टरों ने ही कार्यभार संभाला है। जो मुख्य चिकित्साधिकारी के निर्देशों पर कार्यभार ग्रहण कर चुके हैं। 7 डॉक्टरों की अभी भी इंतजारी की जा रही है। इधर, जिला चिकित्सालय में जनरल सर्जन न होने से मरीजों को ऑपरेशन के लिए अन्यत्र जाना पड़ रहा है। इसके लिए उन्हें मोटी रकम भी खर्च करनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों ने शीघ्र जनरल सर्जन के साथ ही 7 डॉक्टरों को कार्यभार ग्रहण करवाने की दिशा में ठोस कार्यवाही करने की मांग की है।

सुरक्षा जवान भर्ती शिविर 6 को जखोली व 8 को अगस्त्यमुनि में

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से मल्टीनेशनल सुरक्षा कंपनी एसआईएस द्वारा विकासखंड स्तर पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। 03 अक्टूबर को विकासखंड ऊखीमठ में जबकि 06 अक्टूबर को जखोली व 08 अक्टूबर को विकासखंड अगस्त्यमुनि में सुरक्षा जवान पंजीयन एवं भर्ती शिविर का आयोजन किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत ने समस्त खंड विकास अधिकारियों को शिविरों के सफलता पूर्वक संचालन के लिए निर्देशित किया है।भर्ती अधिकारी विजयपाल मौर्य ने बताया कि एसआईएस लिमिटेड सुरक्षा सेवाएं, कैश लॉजिस्टिक, प्रशिक्षण आदि सेवाएं प्रदान करती है। प्रतिवर्ष हजारों युवाओं को सुरक्षाकर्मी के रूप में चयन कर देशभर में स्थित अपने 25 प्रशिक्षण केंद्रों में विशेष प्रशिक्षण फायर सेफ्टी, आपातकालीन प्रबंधन और सिविल डिफेंस की ट्रेनिंग देकर एसआईएस लिमिटेड में सीधी नियुक्ति देकर 65 वर्ष की आयु तक अस्थाई रोजगार प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों को ईपीएफ, ईएसआई अन्य मेडिकल सुविधा, ग्रेच्युटी वर्ष में दो बार बोनस, आवास एवं मेश की सुविधा प्रदान करती है। कंपनी द्वारा प्रतिमाह 15 से 25 हजार सैलरी प्रदान की जाती है। साथ ही कंपनी भारत व राज्य सरकार के विभिन्न उपक्रम जैसे लाल किला, ताजमहल, एम्स, आईआईएम इत्यादि के साथ-साथ बड़े-बड़े औद्योगिक संस्थानों में ड्यूटी देती है। भर्ती से संबंधित अन्य जानकारी के लिए 9592903771 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रशासन 5 से 7 गांवों को बनाएगा रिवर्स पलायन के रूप में मॉडल गांव

रुद्रप्रयाग। जिला प्रशासन जनपद में खाली हो चुके गांवों को दोबारा बसाने के रूप में अभिनव पहल करने की तैयारी में जुटा है। विकास विभाग ऐसे कई विभागों के अफसरों की टीम बनाकर ऐसे गांवों का चिह्नीकरण करेंगे जो रिवर्स पलायन के रूप में मॉडल गांव बनाए जा सके। इन गांवों के कायाकल्प के लिए जिला योजना से विस्तृत कार्ययोजना बनाई जाएगी। जनपद में ऐसे कई गांव है जहां से पलायन तो हुआ है, किंतु यहां के लोगों का समय–समय पर गांव आना–जाना बना रहता है। ऐसे ही गावों को पूरी तरह रिवर्स पलायन के रूप में मॉडल गांव बनाने की दिशा में प्रशासन तैयारी कर रहा है ताकि यहां के युवाओं, महिलाओं और ग्रामीणों को गांव में रोजगार के अवसर हासिल करने का अवसर मिल सके। जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने बताया कि जनपद में अन्य जनपदों की तुलना पलायन कम है किंतु जिन गांवों से पलायन हुआ है वहां दोबारा रिवर्स पलायन कैसे हो, इसके लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाई जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में केदारनाथ यात्रा के साथ ही कई मंदिर हैं जो आर्थिकी का मुख्य जरिया बन सके हैं। फूल, बेल पत्र और अन्य पूजन सामग्री की अधिक डिमांड है लोगों के हाथों में रोजगार देकर गांवों में ही बेहतर कार्य किया जा सकता है। होम स्टे, होटल, रेस्टोरेंट, लॉज आदि की अपार संभावनाएं हैं। स्वयं सहायता समूह को और मजबूत किया जा सकता है। सरकार की मंशा के अनुरूप जल्द ही विकास विभाग के सहयोग से पर्यटन, उद्यान, कृषि, जल संस्थान सहित कई संबंधित विभागों की एक टीम को ऐसे गांवों को चिन्हित करने भेजा जाएगा ।

केंद्रीय विद्यालय के भवन निर्माण को धरना शुरू

रुद्रप्रयाग। चन्द्रापुरी में केंद्रीय विद्यालय भवन निर्माण की दिशा में कार्यवाही न होने से आक्रोशित लोगों ने स्यालसौड़ में धरना शुरू कर दिया है। इस मौके पर यूकेडी के कार्यकर्ताओं ने कहा कि स्थानीय नौनिहालों के भविष्य को देखते हुए सभी लोग धरने में अपना सहयोग दें। शुक्रवार को स्यालसौड़ में धरना देते हुए यूकेडी के पूर्व अध्यक्ष डॉ आशुतोष भंडारी ने कहा कि केंद्रीय विद्यालय का भवन चन्द्रापुरी में बनना प्रस्तावित है किंतु इस दिशा में कार्यवाही नहीं की जा रही है। यही हाल रहा तो भवन निर्माण में कई साल लग जाएंगे। इसलिए अपने नौनिहालों के भविष्य को देखते हुए सभी लोग इस धरने में सहयोग दें। यूकेडी जिलाध्यक्ष सूरत सिंह झिंक्वाण ने कहा कि यूकेडी स्थानीय मुद्दों के लिए सदा संघर्ष करती रहेगी।

शहीद सम्मान यात्रा: तीन शहीदों के आंगन से संग्रहीत की मिट्टी

5 अक्टूबर को लैंसडाउन में आयोजित समारोह में रखी जाएगी मिट्टी, सैन्य धाम निर्माण में होगा उपयोग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : शहीद सम्मान यात्रा के तहत जिला सैनिक कल्याण विभाग पौड़ी द्वारा शुक्रवार को विकासखंड पाबौ के तीन गांवों से शहीदों के आंगन से मिट्टी संग्रहित की गयी। यह मिट्टी 5 अक्टूबर को सम्मान के साथ लैंसडाउन कैंट में आयोजित होने वाले शहीद सम्मान समारोह में सुरक्षित रखी जाएगी, जिसके बाद इसे सैन्य धाम बनाने के लिए देहरादून भेजा जाएगा।

सैनिक कल्याण अधिकारी मेजर (रि.) करन सिंह रावत ने बताया कि 2021 में पहले चरण में शहीदों के आंगन से लायी गयी मिट्टी को सैन्य धाम भेजा जा चुका है। दूसरे चरण में शुक्रवार को विकासखंड पाबौ के सलाना गांव में शहीद राम सिंह, धारकोट में शहीद विपिन गुसाईं और बिसल्ड में शहीद भूपेंद्र सिंह के आंगन से मिट्टी संग्रहीत की गयी। उन्होंने कहा कि इसे सम्मान पूर्वक 5 अक्टूबर को लैंसडाउन में आयोजित शहीद सम्मान समारोह में रखा जाएगा और उसके बाद सैन्य धाम के लिये लैंसडाउन से देहरादून भेजा जाएगा। सैनिक कल्याण अधिकारी लैंसडाउन वीरेंद्र भट्ट ने बताया कि लैंसडाउन क्षेत्र में सभी 26 शहीदों के आंगन से मिट्टी पहले ही संग्रहित की जा चुकी है। इस अवसर पर स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी ने कलेक्ट्रेट परिसर से सैनिक कल्याण विभाग के दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि शहीदों के आंगन से मिट्टी संग्रहीत की जा रही है और इसे सम्मान के साथ सैन्य धाम में उपयोग किया जाएगा। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष हिमानी नेगी, मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, अपर जिलाधिकारी अनिल सिंह गर्ब्याल, मुख्य शिक्षाधिकारी नागेन्द्र बर्तवाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

31 अक्टूबर तक राज्य की सड़कों को गड्ढा मुक्त करें : धामी

राज्य स्थापना दिवस पर होने वाले कार्यक्रमों की प्रभावी कार्य योजना बनाएं

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी 09 नवंबर को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की भी प्रभावी कार्य योजना तैयार करें। मुख्यमंत्री ने गड्ढा मुक्त सड़क अभियान की कार्य प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा करने तथा 31 अक्टूबर तक पैच वर्क पूर्ण का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क मरम्मत कार्यों का स्थलीय निरीक्षण के भी निर्देश दिये हैं।मुख्यमंत्री ने नन्दा राज जात यात्रा मार्गों के रख-रखाव तथा यात्रा के रात्रि पड़ावों पर अवस्थापना सुविधाओं के विकास से संबंधित कार्य योजना भी शीघ्र तैयार किये जाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने बैठक में प्रदेश में हाल ही में आई आपदा के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों में सभी संबंधित संस्थानों एवं अधिकारियों द्वारा किये गए प्रयासों की भी सराहना की। मुख्यमंत्री ने शहरों में बढ़ते यातायात के दबाव को कम करने के लिये प्रभावी कार्य योजना तैयार करने, साफ-सफाई के साथ खाद्य सामग्री में मिलावट खोरी रोकने के लिये जांच अभियान सघनता से संचालित किये जाने के साथ प्रदेश में पूर्ण होने वाली फ्लैगशिप योजनओं व कार्यक्रमों का भी पूर्ण विवरण तैयार को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निर्माण और नव निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए। कहा कि सड़क निर्माण और मरम्मत कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। क्षतिग्रस्त सड़कों के पुनर्निर्माण एवं मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन क्षेत्रों से बार-बार सड़क संबंधी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, वहां विशेष निगरानी रखी जाए और कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली, विनय शंकर पांडेय, अपर पुलिस महानिदेशक ए.पी. अंशुमान, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते एवं अपर सचिव बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर दून के दो दंत चिकित्सक सम्मानित

देहरादून। दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दून निवासी डा. प्रदीप पंवार और डा. विकास भट्ट को मोनाको में हुए यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ ओसियोइंटीग्रेशन कॉन्फ्रेंस–2025 (ईएओ) में सम्मानित किया गया।

सम्मेलन में दुनियाभर के दंत चिकित्सक शामिल हुए। डा. प्रदीप पंवार मूल रूप से जौनपुर टिहरी और डा. विकास भट्ट जोशियाड़ा उत्तरकाशी के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में दंत प्रत्यारोपण के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम शोध, तकनीकी प्रगति, भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा हुई। दोनों को ईएओ की ओर से विशेष आमंत्रण मिला था। सम्मेलन में उन्होंने अपने अनुभव साझा किए।

संदणिया गांव को राज्य गठन के 24 साल बाद भी नहीं मिली सड़क सुविधा

पौड़ी : लोक निर्माण विभाग मंत्री सतपाल महाराज की विधानसभा चौबट्टाखाल में द्वारीखाल ब्लाक के संदणिया गांव के ग्रामीणों को आज तक सड़क सुविधा का लाभ नहीं मिल पाया है।

जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि बताया कि गांव में किसी वृद्ध मरीज को मुख्य सड़क तक पहुंचाने के लिए 5 किमी. तक की खड़ी चढ़ाई नापनी पड़ती है। सड़क सुविधा नहीं होने से गांव से लगातार पलायन हो रहा है। उन्होंने लोनिवि मंत्री को ज्ञापन भेजकर जल्द ही गांव को सड़क सुविधा से जोड़ने की मांग उठाई है।

ग्रामीणों ने स्थानीय विधायक एवं लोनिवि मंत्री से जल्द ही गांव को सड़क सुविधा से जोड़ने की मांग उठाई है। संदणिया गांव के ग्रामीण एवं वरिष्ठ राज्य निर्माण आंदोलनकारी विक्रम सिंह रावत का कहना है कि राज्य गठन के 24 साल बाद भी गांव को सड़क सुविधा नहीं मिल पाई है। कहा कि सरकार हर गांव को सड़क सुविधा से जोड़ने की बात तो कर रही है, लेकिन धरातल पर हकीकत कुछ और ही है।

बताया कि प्रदेश में बीजेपी की प्रचंड बहुमत की सरकार आने पर ग्रामीणों को सड़क सुविधा मिलने की उम्मीद जगी थी, लेकिन सड़क सुविधा नहीं मिलने से ग्रामीण परेशान है। जिससे ग्रामीणों में सरकार के प्रति नाराजगी बनी है।

बताया कि क्षेत्रीय विधायक एवं पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज को भी गांव को सड़क सुविधा से जोड़ने की मांग को लेकर ज्ञापन दिया गया, लेकिन उन्होंने भी आज तक ग्रामीणों की सुध नहीं ली।

सिंचाई विभाग के पेंशनर्स एरियर भुगतान को लेकर धरने पर बैठे

देहरादून। सिंचाई विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने एरियर भुगतान की मांग को लेकर यमुना कॉलोनी प्रमुख अभियंता कार्यालय में धरना दिया। सेवानिवृत्त कर्मचारी संघर्ष समिति ने एरियर भुगतान तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया है। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने धरना स्थल पर कहा कि अगर सरकार ने उनकी मांगों पर जल्द विचार नहीं करती है तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने वेतन विसंगति दूर करने और लंबित एरियर का तुरंत भुगतान करने की मांग दोहराई। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकारी कर्मचारियों के जीपीएफ/ग्रेच्युटी और अन्य बकाया पैसों का भुगतान 36 महीने से अटका पड़ा है, जिस कारण सेवानिवृत्त कार्मिकों को भारी वित्तीय परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संगठन के नेताओं ने कहा कि सेवा समाप्ति की तिथि के बाद भी पेंशनर्स एरियर भुगतान को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने हर बार आश्वासन देकर भी उनकी अनदेखी की है। राजकीय पेंशनर्स परिषद ने भी धरने को समर्थन दिया। धरने में प्रांतीय अध्यक्ष खेमराज कुंदरा, महामंत्री रामराज मौर्या मेट कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष सत्यप्रकाश डंगवाल, वाहन चालक संगठन के अध्यक्ष सबर सिंह रावत, सिंचाई संघ के प्रदेश महामंत्री बृजमोहन बधानी, हर्षपति गौड़, पीताम्बर दत्त जुयाल समेत अन्य शामिल हुए।

पीएम आवास योजनाओं में पर्यावरणीय बिंदुओं का रखें ध्यान: अग्रवाल

देहरादून। प्रधानमंत्री आवास योजना योजना के तहत परियोजनाओं के निर्माण में पर्यावरणीय बिंदुओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इसके साथ ही शेल्टर फंड के माध्यम से प्राप्त धनराशि का उपयोग योजनाओं में ही किया जाएगा। इसके साथ ही जिलों में विकास प्राधिकरण स्तर पर लैंड बैंक तैयार किया जाएगा, ताकि प्रदेश के अधिक से अधिक लोग आवासीय योजनाओं का लाभ उठा सकें। उत्तराखंड आवास एवं नगर विकास प्राधिकरण के सभागार में शनिवार को आयोजित समीक्षा बैठक में उत्तराखंड आवास सलाहकार परिषद के उपाध्यक्ष श्याम अग्रवाल ने अधिकारियों को यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों का चयन पूर्ण पारदर्शिता के साथ किया जाए और पात्र लाभार्थियों को ही योजनाओं का लाभ मिले। उपाध्यक्ष ने बताया कि देहरादून के कोरोनेशन अस्पताल और परेड ग्राउंड में ऑटोमैटिक पार्किंग की शुरुआत हो चुकी है, जिससे शहरवासियों को बड़ी राहत मिली है।

मुख्यमंत्री धामी ने आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक राधेश्याम को दी श्रद्धांजलि

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज रेसकोर्स स्थित स्वर्गपपुरी आश्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक राधेश्याम जी की श्रद्धांजलि सभा में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें विनम्र नमन किया और उनके निधन को समाज एवं राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राधेश्याम जी का संपूर्ण जीवन समाज, संगठन और राष्ट्र के लिए समर्पित रहा है। वे संघ की मूल भावना–निःस्वार्थ सेवा, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति–के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने अपने व्यक्तित्व और कृतित्व से हजारों युवाओं और कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया। उनके मार्गदर्शन में असंख्य कार्यकर्ताओं ने समाज सेवा का संकल्प लिया और आज भी उनकी शिक्षाएं संगठन और समाज को ऊर्जा प्रदान कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राधेश्याम जी का त्यागमय जीवन, सरलता, तपस्या और राष्ट्रहित के प्रति उनकी निष्ठा हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगी। उन्होंने कहा कि संगठन को सशक्त बनाने और समाज को जोड़ने के लिए उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा। उनकी प्रेरणा आने वाली पीढ़ियों के लिए भी पथप्रदर्शक का कार्य करेगी। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों एवं संघ परिवार के सभी कार्यकर्ताओं के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति और उन्हें ईश्वर के श्रीचरणों में स्थान मिलने की प्रार्थना की। श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में संघ के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महामंडलेश्वर स्वामी यतीन्द्रानंद गिरि महाराज ने मुख्यमंत्री धामी से शिष्टाचार भेंट की

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में महामंडलेश्वर स्वामी यतीन्द्रानंद गिरि महाराज ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उनके मध्य आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार–विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री धामी ने महामंडलेश्वर स्वामी यतीन्द्रानंद गिरि महाराज का स्वागत करते हुए कहा कि संत–महात्माओं के आशीर्वाद से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि संत परंपरा ने सदैव राष्ट्र और समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संतों का मार्गदर्शन हमें न केवल जीवन मूल्यों से जोड़ता है बल्कि समाज में एकता और सद्भाव का संदेश भी देता है।

कांग्रेस पचा नहीं पा रही युवाओं की सीबीआई जांच की मांग पूरी हुई: चौहान

देहरादून। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रमुख मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस युवाओं की सीबीआई जांच की मांग पूरी होने को पचा नहीं पा रही है। इसी कारण बेतुकी बयानबाजी कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का मुख्यमंत्री आवास कूच और प्रदर्शन राजनीति से प्रेरित है। मीडिया को जारी बयान में चौहान ने कहा कि कांग्रेस कभी नही चाहती थी कि युवाओं की सीबीआई जांच की मांग पूरी हो। सरकार के इस फैसले के बाद कांग्रेस ने अचानक सीबीआई पर सवाल उठाना शुरू कर दिया, जबकि उसे युवाओं की खुशी देखकर सरकार के निर्णय की सराहना करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि सीएम पुष्कर सिंह धामी ने बेरोजगार युवाओं की मांग को संवेदनशीलता से स्वीकार किया और किसी भी तरह का श्रेय लेने की कोशिश नही की। लेकिन कांग्रेस युवाओं की समस्याओं को हल करने के बजाय उन्हें उलझाने और राजनीतिक मुद्दा बनाने में जुटी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में हुए भर्ती घोटालों पर चुप्पी साधी, जबकि धामी सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत भ्रष्टाचारियों और माफियाओं पर ताबड़तोड़ कार्रवाई कर उन्हें सलाखों के पीछे भेजा।

झुमैलो ग्रुप के करवा चौथ कार्यक्रम में महिलाओं ने किया नृत्य

देहरादून। पर्यटन नगरी मसूरी में करवा चौथ की धूम शुरू हो गयी है। झुमैलो ग्रुप ने कुलड़ी स्थित एक होटल के सभागार में करवा चौथ कार्यक्रम आयोजित किया। इस मौके पर महिलाओं ने नृत्य किया व विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर कार्यक्रम में चार चांद लगाए। झुमैलो ग्रुप की अध्यक्ष प्रमिला नेगी के नेतृत्व में करवा चौथ का कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष मीरा सकलानी सहित सभी महिलाओं का स्वागत किया गया। पालिकाध्यक्ष को शॉल व गुलदस्ता भेंट किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने जमकर नृत्य किया, इसके साथ ही गायन, प्रश्नोत्तर, करवा चौथ क्वीन, अंताक्षरी सहित अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी व जीतने वालों को पुरस्कार दिए गय। पालिकाध्यक्ष मीरा सकलानी ने कहा कि करवा चौथ अभी दस अक्टूबर को है लेकिन अभी से ही महिलाएं ग्रुप में शहर में करवा चौथ कार्यक्रम आयोजित कर रही हैं। यह पवित्र पर्व है महिलाएं पतियों की लंबी आयु के लिए निर्जला व्रत रखती है व सोलह श्रृंगार करती है। झुमैलो ग्रुप की अध्यक्ष प्रमिला नेगी ने कहा कि झुमैलो ग्रुप हर वर्ष की तरह इस बार भी करवा चौथ का कार्यक्रम आयोजित किया गया है जिसमें नृत्य, करवा चौथ क्वीन, विभिन्न मनोरंजक खेल, प्रश्न उत्तर आदि की प्रतियोगिताएं रखी हैं व विजेताओं को पुरस्कार दिए गये। इस मौके पर झुमैलो ग्रुप की गुड्डी देवी, राजेश्वरी नेगी, किरन नौडियाल, सहित रेनू अग्रवाल, सीता पंवार, कमला थपलियाल, अनीता धनाई आदि मौजूद रहे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com